आज का विचार

रिश्ते रिश्ते में भी फर्क होता है। कहीं भावनाओं की जरूरत होती है तो कहीं पर जरूरत की भावनाएं होती हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

2

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 20 जनवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 17, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हमें मिलकर फिर से रंगला पंजाब बनाना है, ताकि हमारे बच्चों को विदेश न जाना पड़े: भगवंत सिंह मान

पंजाब को रंगला पंजाब बनाने में हर पंजाबी योग्यानुसार योगदान दे, ह्यह्यआपह्लह्ल सरकार हर सुविधाएं देंगी: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
अजनाला (अमृतसर)

अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे क्षेत्र अजनाला में आज 15 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सरकारी डिग्री कॉलेज का शिलान्यास करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा ने दशकों तक आपसी मिलीभगत से पंजाब की अंधाधुंध लूट की, राज्य की संस्थाओं को खोखला किया और युवाओं को रोजगार की तलाश में विदेश जाने के लिए मजबूर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया कॉलेज आम आदमी पार्टी की सरकार की शिक्षा को मजबूत करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और जनभागीदारी के माध्यम से पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने घोषणा की कि इस कॉलेज का नाम सम्मानित शख्सियत बाबा गमचुक्क जी महाराज के नाम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां राज्य सरकार हर संभव सुविधा और संस्थागत सहयोग प्रदान करेगी, वहीं हर पंजाबी का भी यह कर्तव्य है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे, ताकि पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाया जा सके और हमारे बच्चों को बेहतर भविष्य की तलाश में देश छोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन पारंपरिक पार्टियों के भीतर आपसी कलह चरम पर है, क्योंकि इनके पास जनता के कल्याण के लिए कोई ठोस एजेंडा नहीं है।उन्होंने कहा,

विपक्ष के पास पंजाब के लिए कोई एजेंडा नहीं है।वे केवल जनता और राज्य के संसाधनों को लूटने की अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

उनके मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे, क्योंकि पंजाब के लोग समझदार और बहादुर हैं तथा ऐसे नेताओं के संदिग्ध चरित्र को भली-भांति पहचानते हैं।मुख्यमंत्री ने जनता से अवसरवादी और सत्ता-लोलुप नेताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि पारंपरिक पार्टियों का एकमात्र उद्देश्य पंजाब और इसके लोगों को लूटना रहा है।उन्होंने कहा, समय की मांग है कि ऐसी पार्टियों को पूरी तरह नकारा जाए, ताकि रंगला पंजाब बनाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार नए आम आदमी क्लीनिक, स्कूल और कॉलेज खोलने के साथ-साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर विकास को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांव बकरौर में सह-शिक्षा (को-एजुकेशनल) कॉलेज का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा, इस कॉलेज से सीमावर्ती क्षेत्र के युवा अपने घर के नजदीक उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।15 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस संस्थान पर 15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने इस परियोजना के लिए भूमि दान करने पर गांव बकरौर की पंचायत और निवासियों का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉलेज से आसपास के 50 गांवों के युवाओं को लाभ मिलेगा और आने वाले वर्षों में यहां 2000 से अधिक विद्यार्थियों के दाखिले की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यहां कला, विज्ञान, वाणिज्य, कंप्यूटर विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल शिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कॉलेज क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर लड़कियों के बेहतर भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा।

सीमावर्ती युवाओं के लिए मान सरकार का क्रांतिकारी कदम

बकरौर में सरकारी डिग्री और व्यावसायिक प्रशिक्षण कॉलेज की स्थापना कर मान सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों की दशकों पुरानी मांग को पूरा किया है।पहले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए लगभग 40 किलोमीटर दूर अमृतसर जाना पड़ता था, जिसके कारण विशेषकर लड़कियों की पढ़ाई बीच में छूट जाती थी। लंबे समय से चली आ रही जनहित की प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए और उसे जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई में बदलकर राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आसपास के 50 से अधिक गांवों के विद्यार्थियों को 15 एकड़ के परिसर में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा तक सीधी पहुँच मिले। इसमें डिग्री कार्यक्रमों को रोजगार-उन्मुख पाठ्यक्रमों जैसे कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल कौशल के साथ जोड़ा जाएगा।इसे एक आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित संस्थान के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें व्यावसायिक सुविधाएं और खेलों से जुड़ा आधारभूत ढांचा शामिल है। यह कॉलेज पंजाब के संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में सामाजिक समानता और युवा सशक्तिकरण के लिए एक प्रेरक केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो मान सरकार के सभी के लिए समान अवसर वाले शासन मॉडल की मजबूती को दशार्ता है।

हरियाणा की अवसंरचना परियोजनाओं में सीएम सैनी के निदेशों के तहत पारदर्शिता-गुणवत्ता बढाई जा रही

परियोजना स्थलों पर पूर्ण तकनीकी विवरण एवं नियमित प्रगति अपडेट के साथ क्यूआर कोड लगाए जाएंगे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शों के अनुसार क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी (क्यूएए)-हरियाणा राज्यभर में इंजीनियरिंग अवसंरचना परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने के व्यापक दायित्व के साथ कार्य कर रही है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी के अध्यक्ष श्री राजीव अरोड़ा (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि मुख्यमंत्री के निदेर्शों के अनुरूप, क्यूएए ने विभिन्न विभागों की प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का दो चरणों में विस्तृत तकनीकी ऑडिट किया है, जिसमें 25 बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

इन ऑडिट्स का फोकस डिजाइन की पर्याप्तता, डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) के प्रावधानों का अनुपालन, निर्माण गुणवत्ता, अनुबंध प्रबंधन, सुरक्षा पहलू तथा दीर्घकालिक स्थिरता पर रहा।इन ऑडिट्स के आधार पर विस्तृत तकनीकी ऑडिट रिपोर्ट तैयार कर संबंधित प्रशासनिक विभागों और कार्यान्वयन एजेंसियों को अनुपालन एवं सुधारात्मक कार्रवाई के लिए भेजी गई हैं।

क्यूएए को 16 फरवरी, 2026 तक विभागों से प्राप्त एक्शन टेकन रिपोर्ट्स (एटीआर) के साथ क्यूएए के स्वतंत्र अवलोकन, टिप्पणियां और सिफारिशों को सम्मिलित करते हुए एक व्यापक समेकित प्रस्तुति तैयार करने का भी दायित्व सौंपा गया है।इस प्रस्तुति में जहां आवश्यक होगा, अधिकारियों या कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के सुझाव तथा परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्णता और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपाय भी शामिल होंगे।निदेर्शों के अनुसार, क्यूएए द्वारा तैयार सभी ऑडिट रिपोर्टों को शीघ्र ही हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल और मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से जोड़ा जाएगा, जिसके लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को नोडल विभाग के रूप में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

बड़ी लागत की सभी सड़क उन्नयन परियोजनाओं के लिए डीपीआर और डिजाइन कंसलटेंट की नियुक्ति अनिवार्य

परियोजनाओं की तैयारी और क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के लिए सभी ग्रीनफील्ड सड़क परियोजनाओं, सभी पुलों, फ्लाईओवरों, रोड ओवरब्रिज और रोड अंडरब्रिज, 5 करोड़ रुपये और उससे अधिक लागत की सभी भवन परियोजनाओं तथा 25 करोड़ रुपये और उससे अधिक लागत की सभी सड़क उन्नयन परियोजनाओं के लिए डीपीआर और डिजाइन कंसलटेंट की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। कम लागत की परियोजनाओं के लिए संबंधित विभागों और मुख्य वास्तुकार के परामर्श से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर और स्टैंडर्ड डिजाइन एवं ड्राइंग टेम्पलेट्स तैयार किए जाएंगे। इन एसओपी और टेम्पलेट्स के अंतिमकरण, मानकीकरण और आवधिक समीक्षा के लिए क्यूएए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। इसके अतिरिक्त, 5 करोड़ रुपये और उससे अधिक लागत की सभी परियोजनाओं के लिए थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और मॉनिटरिंग एजेंसियों की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, ताकि स्वतंत्र गुणवत्ता जांच और निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके। श्री राजीव अरोड़ा ने बताया कि पारदर्शिता बढ़ाने और सोशल ऑडिट को सुगम बनाने के उद्देश्य से सभी परियोजना स्थलों पर क्यूआर कोड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे। ये क्यूआर कोड समर्पित डिजिटल पेजों से जुड़े होंगे, जिनमें डीपीआर सारांश और बिल्स ऑफ क्वांटिटीज, स्वीकृत तकनीकी विनिर्देश, ठेकेदारों, इंजीनियर्स-इन-चार्ज और कंसल्टेंट्स के नाम, तथा भौतिक और वित्तीय प्रगति की मासिक जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि समग्र योजना सुनिश्चित करने के लिए परियोजनाओं के स्प्लिटिंग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। सभी परियोजनाओं को एकल प्रशासनिक स्वीकृति और निविदा के माध्यम से मंजूरी दी जाएगी, जिसमें सभी परस्पर जुड़े और आश्रित घटक शामिल होंगे। टेंडर तैयार करने और स्वीकृत करने वाले अधिकारी को यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित करना होगा कि सभी आश्रित घटकों को कार्यक्षेत्र में विधिवत शामिल किया गया है। ड्रेनेज प्लानिंग को सभी डीपीआर का अनिवार्य और अभिन्न घटक बना दिया गया है। विभागों को शहरी और ग्रामीण ड्रेनेज प्रणालियों के लिए स्टैंडर्ड डिजाइन टेम्पलेट्स विकसित करने, अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने और क्रियान्वयन को समन्वित करने के निर्देश दिए गए हैं। रनऑफ के निस्तारण और भूजल रिचार्ज के लिए अंडरग्राउंड रिचार्ज वेल्स के उपयोग पर भी जोर दिया गया है।

यूएई के राष्ट्रपति आधिकारिक यात्रा आए भारत, मोदी ने किया स्वागत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को भारत की आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने पहुंचे। एयरपोर्ट से दोनों नेता प्रधानमंत्री आवास लोक कल्याण मार्ग गए।यहां दोनों के बीच वार्ता होगी।इसके बाद शाम को उनकी वापसी तय है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इस स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, एक प्रिय और करीबी दोस्त का हार्दिक स्वागत है ! उन्होंने आगे कहा कि उनकी यात्रा से दोनों देशों की जीवंत और भविष्योन्मुखी व्यापक रणनीतिक साझेदारी और अधिक प्रगाढ़ होगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर कहा, मैं अपने भाई, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का हवाई अड्डे पर स्वागत करने गया था। उनकी यात्रा भारत-संयुक्त अरब अमीरात की मजबूत मित्रता के प्रति उनके दृष्टिकोण को दशार्ती है।हमारी चचाओं के लिए उत्सुक हूं।

यूएई के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद यह राष्ट्रपति अल नाहयान की भारत की तीसरी आधिकारिक और पिछले एक दशक में भारत की पांचवीं यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा दोनों नेताओं को भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए नए रास्ते तलाशने का अवसर प्रदान करेगी। यह आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान को भी सक्षम बनाएगा, जहां भारत और यूएई के बीच उच्च स्तर की सहमति है।उल्लेखनीय है कि यह यात्रा हाल ही में हुए उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान से मिली मजबूत गति पर आधारित है, जिसमें सितंबर 2024 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की यात्रा और पिछले साल अप्रैल में यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तथा दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की यात्रा शामिल है। भारत और यूएई के बीच गर्मजोशी भरे, घनिष्ठ और बहुआयामी संबंध हैं, जो मजबूत राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं।दोनों देश एक-दूसरे के शीर्ष व्यापार और निवेश साझेदारों में से हैं, जिन्हें व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते, स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली और द्विपक्षीय निवेश संधि से बढ़ावा मिला है। भारत और यूएई के बीच एक मजबूत ऊर्जा साझेदारी भी है, जिसमें दीर्घकालिक ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था शामिल है।

रायबरेली पहुंचे राहुल गांधी, कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

एजेंसी (हि.स.)
रायबरेली

लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं सांसद राहुल गांधी सोमवार की देर शाम रायबरेली पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट से सीधे उनका काफिला करीब 9.45 बजे रायबरेली पहुंचा। इस दौरान कई जगहों पर उपस्थित सैकड़ों कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।हालांकि राहुल केवल हरचंदपुर में अपनी कार से उतरकर कार्यकताओं से मिले और उन सभी से हाल पूछा।इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। इसके बाद राहुल का काफिला भुएमऊ गेस्ट हाउस पहुंचा। यहां उनका रात्रि विश्राम है। पहले उनका मंगलवार को पहुंचने का कार्यक्रम था।तय कार्यक्रम के अनुसार राहुल गांधी मंगलवार को उमरन में आयोजित मनरेगा चौपाल में भाग लेंगे। वह आईटीआई स्थित खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट प्रीमियर लीग का भी शुभारंभ करेंगे। उनके साथ पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह भी रहेंगे।इसके पूर्व सुबह ही राहुला का भुएमऊ गेस्ट हाउस में ही जिले के कई प्रतिनिधि मंडलों से मिलने का भी कार्यक्रम है।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी मनरेगा को लेकर जनता से संवाद करेंगे एवं सरकार की नीतियों के खिलाफ गांवों में आमजनता को जागरूक करेंगे। बताया जा रहा कि रायबरेली से चुनाव जीतने के बाद पहली बार वह किसी गांव में जाकर जनता से रूबरू हो सकते हैं।

भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन ने दाखिल किया नामांकन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को यहां पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में चल रही चुनाव प्रक्रिया में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा संसदीय दल के साथ नितिन नबीन का नामांकन पत्र भरा गया।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाइयों के प्रमुख भी मुख्यालय पहुंचे और इस प्रक्रिया में शामिल हुए।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, नितिन नबीन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के एकमात्र उम्मीदवार हैं। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है।

इससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित विभिन्न राज्यों के नेताओं ने नितिन नबीन के समर्थन में अपने पत्र जमा किए थे। उल्लेखनीय है कि भाजपा की स्थापना 06 अप्रैल 1980 को हुयी थी और अब तक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर अटल बिहारी वाजपेयी, एलके आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, एम. वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जेपी नड्डा रह चुके हैं।

टच लैब के साथ मध्य प्रदेश ने तलाशी सहयोग की संभावनाएं

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम-2026 में मप्र ने किया एआई और उभरती तकनीकों पर संवाद

एजेंसी (हि.स.)
दावोस/भोपाल

स्वीट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम-2026 में सोमवार को मध्य प्रदेश शासन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती डिजिटल तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग और निवेश की संभावनाओं को लेकर एआई आधारित कंपनी टच लैब कंपनी के सलाहकार हर्वे कौराये से चर्चा की। मप्र के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने चर्चा में राज्य की तकनीकी क्षमताओं, नीतिगत समर्थन और संभावित साझेदारी के व्यावहारिक पहलुओं पर संवाद किया। बैठक में टच लैब कंपनी के प्रतिनिधियों ने एआई आधारित उन्नत तकनीकी समाधानों को लेकर अपने वैश्विक अनुभव साझा करते हुए बताया कि कंपनी का विस्तार यूनाइटेड किंगडम, टोक्यो और संयुक्त राज्य अमेरिका तक है।कंपनी ने बताया कि वे आगामी वैश्विक एआई समिट में भागीदारी कर रहे हैं। प्रमुख सचिव सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश एआई और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में चरणबद्ध और यथार्थवादी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने राज्य में उपलब्ध किफायती और विश्वसनीय विद्युत अधोसंरचना को रेखांकित करते हुए कहा कि यह डेटा सेंटर और कंप्यूट-इंटेंसिव संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। उन्होंने नाट्रैक्स को राज्य की एक विशिष्ट तकनीकी परिसंपत्ति बताते हुए कहा कि देश का सबसे बड़ा ऑटोमोटिव टेस्टिंग और वैलिडेशन ट्रैक होने से यह एडवांस्ड मोबिलिटी, एआई आधारित परीक्षण और अगली पीढ़ी की तकनीकी एप्लिकेशंस के लिए वास्तविक उपयोग-आधारित अवसर उपलब्ध कराता है।

बैठक में शिक्षा और अनुसंधान आधारित सहयोग पर भी चर्चा हुई, जिसमें एसएमई की भागीदारी और एप्लाइड इनोवेशन को सशक्त करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह ने राज्य के स्टार्ट-अप इको सिस्टम का उल्लेख करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश में छह हजार से अधिक पंजीकृत स्टार्ट-अप सक्रिय हैं, जो नई तकनीकों के पायलट प्रोजेक्ट, परीक्षण और सह-विकास के लिए सहयोगी वातावरण प्रदान करते हैं।टच लैब ने सायबर सुरक्षा और ऑनलाइन गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अपनी तकनीक के संभावित उपयोग में रुचि व्यक्त की।यह रुचि मध्य प्रदेश की एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) और डिजिटल इनोवेशन से जुड़ी समर्पित नीतियों के अनुरूप है। दोनों पक्षों के बीच एआई केंद्रित पायलट परियोजनाओं, इको सिस्टम पार्टनरशिप और मध्य प्रदेश में तकनीक आधारित पहलों की संभावनाओं पर आगे भी संवाद जारी रखने पर सहमति बनी। यह संवाद दावोस में मध्य प्रदेश की उस रणनीति को दशार्ता है, जिसके तहत राज्य वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ व्यावहारिक संवाद के माध्यम से एआई और डीपटेक जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग और निवेश के अवसर तलाश रहा है।

दवाओं की गुणवत्ता में समझौता नहीं, जरूरत पड़ी तो बदलेंगे ड्रग्स एक्ट : मुख्यमंत्री सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद दवाएं उपलब्ध कराने के लिए जरूरत पड़ने पर ड्रग्स एक्ट में संशोधन किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि इलाज की गुणवत्ता तभी बेहतर हो सकती है, जब अस्पतालों में दी जाने वाली दवाएं भी उच्च स्तर की हों।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही लगभग 100 करोड़ रुपये की दवाओं की खरीद के लिए टेंडर जारी करने जा रही है। इस प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि देश की प्रतिष्ठित दवा निमार्ता कंपनियां भी टेंडर में भाग लें। उन्होंने कहा कि दवाएं सीधे दवा बनाने वाली कंपनियों से खरीदी जाएंगी ताकि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को विश्वस्तरीय दवाइयां मिल सकें और किसी भी तरह की गुणवत्ता से समझौता न हो।

सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। अच्छी और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गुणवत्तायुक्त दवाएं बेहद जरूरी हैं। सरकार का प्रयास है कि लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े और प्रदेश में ही उन्हें बेहतर और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें।

बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम को भी अहम निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों और अन्य दवा दुकानों के लिए दवाइयों की खरीद अधिकृत डीलरों के बजाय सीधे दवा कंपनियों से की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है, लेकिन जनता का पैसा केवल जनहित में और पारदर्शिता के साथ ही खर्च किया जाना चाहिए।

इस बैठक में स्वास्थ्य सचिव प्रियंका बासु इंगटी, हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध निदेशक राजेश्वर गोयल, विशेष सचिव स्वास्थ्य जितेंद्र संजटा, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक डॉ. गोपाल बेरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में यह भी कहा गया कि भविष्य में सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी जिससे मरीजों को समय पर बेहतर इलाज मिल सके।

शिमला में किसान-बागवानों का प्रदर्शन सचिवालय के बाहर डटे, सड़कें जाम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल किसान सभा और सेब उत्पादक संघ के बैनर तले सैकड़ों किसान और बागवान सोमवार को शिमला की सड़कों पर उतर आए। टोलैंड से सचिवालय तक निकाले गए मार्च के बाद प्रदर्शनकारी सचिवालय के बाहर धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों की जमीन से बेदखली रोकने, विदेशी सेब पर आयात शुल्क बढ़ाने, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को लागू करने सहित 14 सूत्रीय मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के चलते सचिवालय के बाहर हालात तनावपूर्ण बने रहे और यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ।

किसानझबागवानों की प्रमुख मांगों में भूमिहीन किसानों को पांच बीघा जमीन देने, दूध का न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपये तय करने, आपदा प्रभावित किसानों को राहत देने और स्मार्ट मीटर लगाने की योजना पर रोक लगाने की मांग शामिल है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बढ़ते बिजली बिलों से किसान परेशान हैं और वे भारी भरकम बिल चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। इसके अलावा उन्होंने सेब उत्पादकों के लिए मिलने वाली एमआईएस (मार्केट इंटरवेंशन स्कीम) के तहत सहायता राशि बंद होने का मुद्दा भी उठाया और इसके लिए राज्य व केंद्र सरकार, दोनों को जिम्मेदार ठहराया।

धरने को संबोधित करते हुए किसान नेता और पूर्व विधायक राकेश सिंघा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिसंबर को गरीब और सीमांत किसानों को जमीन देने के लिए नीति बनाने के आदेश दिए थे, लेकिन एक महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने किसानों और बागवानों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और आरझपार की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने दूध उत्पादकों और आपदा प्रभावित लोगों की मांगों को भी तुरंत मानने की जरूरत बताई।

राकेश सिंघा ने इस दौरान एसजेवीएनएल पर भी गंभीर आरोप लगाए और निगम को प्रदेश का दूसरा ह्लुटेराह्व बताया।

उन्होंने फोरलेन निर्माण के नाम पर हो रही कथित मनमानी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे प्रभावित लोगों को न्याय मिलना चाहिए। उनका कहना था कि जब तक सरकार सभी मांगों को लेकर ठोस आश्वासन नहीं देती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम, एडीसी होंगे मुख्य अतिथि

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) विनय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

इस कड़ी में तहसीलदार निर्वाचन पवन कुमार राणा ने सोमवार को मिनी सचिवालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती, मतदाता जागरूकता तथा युवाओं को मतदान के प्रति प्रेरित करना है। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, जिम्मेदारियों के निर्धारण तथा समन्वय से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही नए पंजीकृत मतदाताओं, विशेषकर पहली बार मतदान करने जा रहे युवाओं को भी सम्मानित कर लोकतंत्र में उनकी सहभागिता को प्रोत्साहित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश, लोकतंत्र के महत्व पर विचार-विमर्श तथा निर्वाचन प्रक्रिया में नागरिकों की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मूल उद्देश्य प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करना और स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान को बढ़ावा देना है।

शिमला : पांच साल में 391 ड्रग तस्कर गिरफ्तार, सिर्फ एक चौथाई को मिली सजा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

नशे के खिलाफ सख्त कानून होने के बावजूद ड्रग्स तस्करी के मामलों में जिला शिमला में सजा की दर बेहद कम बनी हुई है। पिछले पाँच वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि शिमला पुलिस ने भले ही नशा तस्करों के खिलाफ कई अभियान चलाए, गिरोहों का पदार्फाश किया और बड़े ड्रग पैडलरों को गिरफ्तार किया, लेकिन अदालतों में ये मामले ज्यादातर टिक नहीं पाए। नतीजा यह रहा कि पकड़े गए आरोपियों में से केवल एक चौथाई को ही सजा मिल सकी।

वर्ष 2021 से 2025 के बीच शिमला जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत ड्रग्स से जुड़े कुल 391 मामले दर्ज किए गए। इनमें चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले शामिल हैं। इन 391 मामलों में से सिर्फ 98 मामलों में ही अदालतों से दोषसिद्धि हो पाई, जबकि 293 मामलों में आरोपी दोषमुक्त हो गए। यानी नशा तस्करी के मामलों में सजा की दर महज 26 प्रतिशत रही।

यह खुलासा शिमला में नशे और अन्य गंभीर अपराधों को लेकर आयोजित एक जिला स्तरीय कार्यशाला में हुआ। कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट 1985 के साथ-साथ एससी-एसटी एक्ट 1989 और पॉक्सो एक्ट 2012 के तहत दर्ज मामलों और उनकी दोषसिद्धि दर पर भी चर्चा की गई। इसमें जिले के सभी एसडीएम, डीएसपी, थाना प्रभारी, अभियोजन अधिकारी, जिला न्यायवादी, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक न्याय से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला का मकसद यह समझना था कि जांच और ट्रायल के दौरान कहां-कहां कमियां रह जाती हैं, जिनकी वजह से आरोपी अदालत से छूट जाते हैं।

जिला न्यायवादी सुधीर शर्मा ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत पिछले पाँच वर्षों में दर्ज 391 मामलों में से केवल 98 में ही सजा हो पाई। वर्ष 2021 में 20 मामलों में से 5 में, 2022 में 29 मामलों में से 9 में, 2023 में 91 मामलों में से 21 में, 2024 में 107 मामलों में से 25 में और 2025 में 144 मामलों में से 38 मामलों में दोषसिद्धि हुई। हर साल दोषमुक्त होने वाले आरोपियों की संख्या सजा पाने वालों से कहीं ज्यादा रही।

कार्यशाला में पॉक्सो एक्ट के मामलों के आंकड़े भी सामने आए। वर्ष 2021 से 2025 के बीच पॉक्सो एक्ट के 138 मामले अदालत तक पहुंचे, लेकिन इनमें से सिर्फ 49 मामलों में ही दोषसिद्धि हो पाई। कुल मिलाकर इस कानून के तहत सजा की दर 35 प्रतिशत रही। कुछ वर्षों में यह दर बेहतर रही, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें गिरावट दर्ज की गई।

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि अगर पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है तो यह पूरी व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब बड़ी संख्या में आरोपी दोषमुक्त हो जाते हैं, तो आम लोगों का कानून और प्रशासन से भरोसा कमजोर होता है। इससे अपराधियों में कानून का डर भी खत्म हो जाता है।

कुल्लू में 2 किलो 286 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
कुल्लू

थाना पतलीकूहल के अंतर्गत पुलिस ने चरस की बड़ी खेप बरामद की है। चरस तस्करी का मामला उस दौरान सामने आया जब पुलिस दल थाना प्रभारी रजत के नेतृत्व में इलाके में गश्त पर था। पुलिस जब शरण गांव से करीब 500 मीटर दूर पहुंची तो सामने से आ रहा व्यक्ति छुपने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उस व्यक्ति को दबोच लिया जिसके कब्जे से पुलिस ने 2 किलो 286 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने चरस की खेप को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उप अधीक्षक क्षमादत शर्मा ने बताया कि आरोपी बिशन दास (52) पुत्र स्व0 काली दास निवासी गांव शरण डाकघर नग्गर तहसील व जिला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच करेगी कि यह चरस की खेप कहां से लाई गई थी और कहां पहुंचाई जानी थी।

हिमाचल के निचले जिलों में शीतलहर, शिमला का पारा भी लुढ़का, भारी बर्फबारी का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में जनवरी की ठंड ने अपना असर और तेज कर दिया है। पहाड़ से लेकर मैदान तक शीतलहर का प्रकोप महसूस किया जा रहा है और मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन भी ठिठुरन से राहत नहीं मिलने वाली है। निचले ज़िलों बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा और मंडी में कोल्ड वेव दर्ज की गई है, जबकि राजधानी शिमला का न्यूनतम तापमान भी गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है और यह सामान्य से 0.4 डिग्री नीचे बना हुआ है। सबसे ठंडे स्थानों की बात करें तो लाहौल-स्पीति का ताबो माइनस 7.1 डिग्री, कुकुमसेरी माइनस 4.0 डिग्री और कल्पा माइनस 2.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश के सबसे सर्द इलाकों में शामिल रहे। इसके अलावा रिकांगपिओ और नारकंडा में न्यूनतम तापमान 0.7 डिग्री, कुफरी में 1.8 डिग्री, भुंतर 1.5, सोलन 1.5, ऊना 2.0, हमीरपुर 2.5, मनाली 2.9, सुन्दरनगर 3.0, पालमपुर 3.0, धर्मशाला 3.2, चौपाल 3.3, कांगड़ा 3.4, शिमला 3.4, मंडी 3.6, बजौरा 3.7, जुब्बड़हट्टी 4.5, बिलासपुर 5.0, कसौली 6.0, सराहन 7.2, देहरा गोपीपुर 7.0, नाहन 8.8, पांवटा साहिब 9.0 और नेरी 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने साफ किया है कि पिछले 24 घंटों में राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में भी कहीं बर्फबारी नहीं हुई है और आज भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है। राजधानी शिमला में सुबह से धूप खिली हुई है, वहीं मैदानी इलाकों में कोहरे का असर अपेक्षाकृत कम रहा। हालांकि, यह साफ मौसम ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार मैदानी व मध्यपर्वतीय क्षेत्रों में अगले दो दिन मौसम में कोई बदलाव नहीं आएगा। इसके बाद 22 से 25 जनवरी के बीच प्रदेश भर में मौसम खराब रहेगा और 23 जनवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस सबसे अधिक सक्रिय होगा। इसके चलते ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और निचले व मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में भारी वर्षा की आशंका जताई गई है। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग का कहना है कि इस सिस्टम के प्रभाव से लंबे समय से चला आ रहा ड्राई स्पेल टूटेगा, जो किसानों के लिए राहत की खबर हो सकती है। उल्लेखनीय है कि इस सर्दी में अब तक शिमला और मनाली में पहली बर्फबारी भी नहीं हो पाई है और शिमला से सटे प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुफरी और नारकंडा से भी बर्फ पूरी तरह गायब है।

संक्षिप्त-समाचार

वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरा होने पर पुलिस बैंड ने जगाई देश भक्ति की भावना

नाहन। देश को एक सूत्र में बांधने वाले राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जिला सिरमौर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी विशेषता रही हिमाचल प्रदेश पुलिस ब्रास बैंड की आकर्षक प्रस्तुतियां। नाहन के ऐतिहासिक चौगान ग्राउंड में हिमाचल प्रदेश पुलिस बैंड द्वारा वन्दे मातरम् सहित अन्य देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश पुलिस जिला सिरमौर की ओर से किया जा रहा है। और इस आयोजन का उदेशीय राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् की ऐतिहासिक विरासत को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता के प्रति जनभागीदारी को मजबूत करना है। जिला सिरमौर पुलिस प्रमुख निश्चिंत सिंह नेगी ने बताया कि वन्दे मातरम् गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई थी और आज भी यह गीत राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रतीक है।इसके 150 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। आज यह आयोजन नाहन में हुआ है इसके बद्दी सहित प्रदेश में किया जायेगा। एस पी नेगी ने युवाओं से नशा छोड़कर देशके विकास में अहम भूमिका निभाने का आवाहन भी किया।

किश्तवाड़ मुठभेड़ में बलिदान हवलदार गजेंद्र सिंह को सेना ने दी श्रद्धांजलि

जम्मू। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोमवार को विशेष बल के हवलदार गजेंद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने किश्तवाड़ में चल रहे ऑपरेशन त्राशी-क के दौरान सिंगपुरा इलाके में बहादुरी से आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते हुए अपनी जान दे दी। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) और सभी रैंकों ने 18/19 जनवरी की रात को किए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को स्वीकार करते हुए शहीद सैनिक के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धांजलि व्यक्त की। कोर ने हवलदार गजेंद्र सिंह के असाधारण साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी वीरता को हमेशा गर्व के साथ याद किया जाएगा। शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता दिखाते हुए व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने कहा कि वह अपार दुख और नुकसान की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ा है जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ इलाके में आतंकवादियों के साथ चल रही मुठभेड़ में सेना के हवलदार गजेंद्र सिंह शहीद हो गए थे और कई अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।

घाटी में आतंकवादियों की तलाश के लिए सेना के हेलीकॉप्टर तैनात

किश्तवाड। किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे आतंकवादियों के एक समूह की तलाश के लिए सोमवार को सेना के हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। यह अभियान रविवार को चत्रू सेक्टर के मन्द्रल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था, लेकिन दुर्गम इलाके और कम दृश्यता के कारण रविवार देर रात इसे रोक दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक मुठभेड़ के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें आतंकवादियों के ग्रेनेड फेंके जाने से आठ सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आज सूर्योदय होते ही सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीमों ने फिर से अभियान शुरू किया और घेराबंदी कड़ी कर दी। घने जंगलों वाले क्षेत्र की तलाशी के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सेना के हेलीकॉप्टर ऑपरेशन क्षेत्र पर हवाई निगरानी बनाए रखने के लिए उड़ानें भर रहे हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सर्च | आतंकवादियों को कोई ताजा जानकारी नहीं: सेना

किश्तवाड़ में आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान फिर से शुरू

एजेंसी (हि.स.)
किश्तवाड़

अधिकारियों ने बताया कि एक रात के विराम के बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए अपना तलाशी अभियान फिर से शुरू कर दिया। यह अभियान रविवार को चत्रू क्षेत्र के मन्द्रल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था जिसके परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई जिसमें आठ जवान घायल हो गए। छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा अचानक किए गए ग्रेनेड हमले में छर्रों से लगी चोटों के कारण जवान घायल हुए थे।

अधिकारियों ने बताया कि घनी वनस्पति और खड़ी ढलानों वाले दुर्गम इलाके में दृश्यता और आवागमन सीमित होने के कारण रविवार देर रात अभियान रोक दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से इलाके की तलाशी ले रही हैं और आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा घेरा बनाए हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से कथित तौर पर जुड़े दो से तीन आतंकवादियों का एक समूह इलाके में फंसा हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि सुबह होते ही अभियान फिर से शुरू कर दिया गया था और अंतिम जानकारी मिलने तक यह जारी था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों से कोई ताजा संपर्क नहीं हुआ है।

'ऑपरेशन त्राशी-क' के तहत सेना के जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने रविवार को एक पोस्ट में बताया कि जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ चल रहे संयुक्त आतंकवाद-विरोधी अभ्यास के तहत चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों का चत्रू के उत्तर-पूर्व में स्थित सोनार इलाके में आतंकवादियों से सामना हुआ। सेना ने कहा, ₹नाकाबंदी को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है और नागरिक प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय के साथ अभियान जारी है।₹

सेना ने चुनौतीपूर्ण भूभाग और परिस्थितियों में शत्रुतापूर्ण गोलीबारी का जवाब देते हुए सैनिकों के असाधारण पेशेवर रवैये और दृढ़ संकल्प की सराहना की। यह मुठभेड़ इस वर्ष जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच तीसरी झड़प है। इससे पहले 7 और 13 जनवरी को कठुआ जिले के बिलवार क्षेत्र के कहोग और नजोते जंगलों में मुठभेड़ हुई थी। पिछले साल 15 दिसंबर को उधमपुर जिले के माजलता क्षेत्र के सोआन गांव में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पुलिस अधिकारी शहीद हो गया था। घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादी भागने में सफल रहे। ये मुठभेड़ पिछले साल दिसंबर में जम्मू क्षेत्र के वन क्षेत्रों में छिपे लगभग तीन दर्जन आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए शुरू किए गए एक बड़े आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद हुई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि गणतंत्र दिवस से पहले शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए अभियान और तेज कर दिए गए हैं क्योंकि खुफिया जानकारी मिली है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संचालक क्षेत्र में और अधिक आतंकवादियों को भेजने के लिए हताश प्रयास कर रहे हैं।

किसी भी संवेदनशील स्थिति से निपटने के लिए सभी डिवीजनों पर बनेगी एक-एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम : डॉ. सुमिता मिश्रा

एचएसडीआरएफ की स्थापना को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आपदा प्रबंधन (संशोधन) अधिनियम, 2025 का पूरी तरह से अनुपालन करते हुए हरियाणा राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एचएसडीआरएफ) की स्थापना की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वित्तायुक्त राजस्व और अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग, डॉ. सुमिता मिश्रा की अध्यक्षता में आज एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें बल की स्थापना से जुड़ी प्रगति की समीक्षा करते हुए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया गया।

बैठक में अधिकारियों ने मौजूदा आपदा प्रतिक्रिया तंत्र की विस्तृत समीक्षा की और पूरी तरह से सुसज्जित एचएसडीआरएफ की स्थापना की दिशा में रणनीतिक बदलाव पर चर्चा की गई। समीक्षा में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, जनशक्ति की तैनाती, विशेष प्रशिक्षण प्रोटोकॉल और परिचालन तत्परता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. मिश्रा ने बैठक के दौरान बताया कि सरकार ने फैसला किया है कि एक नई एसडीआरएफ बटालियन का गठन किया जाएगा जिसमें अधिकतम संख्या अग्नि वीरों की होगी। उन्होंने बताया कि किसी भी संवेदनशील स्थिति से निपटने के लिए राज्यभर के सभी डिवीजनों पर एक-एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 29 मार्च, 2025 को अधिसूचित आपदा प्रबंधन (संशोधन) अधिनियम, 2025, राज्यों को विशेष आपदा प्रतिक्रिया अभियानों के लिए समर्पित राज्य आपदा प्रतिक्रिया बलों का गठन करने का अधिकार देता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा ने व्यापक अंतर-विभागीय समन्वय शुरू किया है, जिसमें पुलिस और गृह विभाग की फोर्स को चालू करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने एसडीआरएफ की स्थापना, संगठन, प्रशिक्षण और तैनाती को कवर करने वाले विस्तृत दिशा निर्देश तैयार किए हैं, जो राष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक पेशेवर आपदा प्रतिक्रिया बल के निर्माण के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पास प्रशिक्षित आपदा प्रतिक्रिया कर्मियों का एक मजबूत बेस है। आईआरबी, भोंडसी की पहली बटालियन नोडल आपदा प्रतिक्रिया इकाई के रूप में कार्य करती है, जिसमें 594 पुलिसकर्मी कोलैप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू, फ्लड रेस्क्यू और केमिकल बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (सीबीआरएन) प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करते हुए यह सुनिश्चित करता है कि कर्मी आपदा प्रतिक्रिया तकनीकों में सबसे आगे रहें। बैठक में भारत सरकार द्वारा डेडिकेटेड एसडीआरएफ स्थापित करने के लिए रखी गई शर्तों की जांच की गई, जिसमें आपदा प्रबंधन के लिए विशेष स्वीकृत पद, डेडिकेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर, विशेष वर्दी और उपकरण तथा वरिष्ठ स्तर का नेतृत्व शामिल हैं। गृह विभाग ने 1,149 पदों वाली एक पूरी बटालियन को मंजूरी दे दी है, जिससे हरियाणा को एक मजबूत आधार मिलेगा और वह तेजी से परिचालन करने के लिए तैयार हो जाएगा। डॉ. सुमिता मिश्रा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे समय-सीमा, संसाधनों की जरूरतें, बुनियादी ढांचा विकास योजना, प्रशिक्षण कार्यक्रम और चरणबद्ध कार्यान्वयन नीति का विवरण देते हुए एक समग्र व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि एक समर्पित एवं पेशेवर रूप से प्रशिक्षित राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की स्थापना से हरियाणा की आपदाओं और आपात स्थितियों में त्वरित व प्रभावी प्रतिक्रिया देने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा, आपदा लचीलापन और नागरिक कल्याण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ होगी।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता एवं विद्वत गोष्ठी का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संस्कृत प्रकोष्ठ द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आज अकादमी भवन स्थित महाराजा दाहिर सेन सभागार में संस्कृत भाषण प्रतियोगिता एवं वैचारिक गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कृति और युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए।

अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर कनेक्ट और कनेक्शन की अवधारणा को सरल शब्दों में समझाया और युवाओं को समाज के साथ सशक्त जुड़ाव स्थापित करने का आह्वान किया।

विद्वत संगोष्ठी के समापन अवसर पर संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और स्वामी विवेकानंद के जीवन-दर्शन को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में प्रो. आर.के. देसवाल, डॉ. रामचंद्र, डॉ. आशुतोष अंगिरस तथा डॉ. जितेंद्र आर्य ने सहभागिता की। भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महेश शर्मा को प्रथम, अतुल शर्मा को द्वितीय तथा वैभव शर्मा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं मनदीप कौर को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर डीजीपी अजय सिंघल की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने प्रदेश में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज डायल-112, पंचकूला के सभागार में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्रदेशभर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त तथा पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। बैठक के दौरान कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराध रोकथाम के लिए ठोस रणनीति अपनाने तथा आमजन को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध करवाने को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए फील्ड स्तर पर प्रभावी व जवाबदेह पुलिसिंग जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे शीघ्र ही प्रत्येक कमीश्नरेट, रेंज एवं जिलों का दौरा कर वहां कानून-व्यवस्था से जुड़े इंतजामों, पुलिस तैनाती और कार्यप्रणाली की प्रत्यक्ष समीक्षा करेंगे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थी, किसान, धार्मिक एवं जातीय विवाद जैसे संवेदनशील मामलों में जिला पुलिस प्रमुख स्तर पर नजर रखी जाए तथा प्रारंभिक स्तर पर ही त्वरित व संतुलित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मामलों में आमतौर पर लोगों की भावनाएं जुड़ी होती हैं, जिससे स्थिति बहुत तेजी से गंभीर रूप ले सकती है। यदि समय रहते हस्तक्षेप न किया जाए तो हालात को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। डीजीपी ने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संवेदनशीलता, संवाद और निष्पक्षता के साथ कार्य करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखें। साथ ही उन्होंने पड़ोसी राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि किसी भी अंतरराज्यीय स्थिति या संभावित तनाव से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। डीजीपी अजय सिंघल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिला अपने यहां महिला विरुद्ध अपराध, हत्या, चोरी, डकैती, छिनाझपटी जैसे प्रमुख अपराधों की समीक्षा करे और यह विश्लेषण करे कि किस अपराध में कितनी बढ़ोतरी या कमी हुई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के विश्लेषण से यह स्पष्ट रूप से सामने आएगा कि किस जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर बेहतर कार्य हुआ है और कौन-सी रणनीतियां कारगर साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि जिन जिलों ने प्रभावी उपायों के माध्यम से अपराध पर नियंत्रण पाया है, उनकी ह्यबेस्ट प्रैक्टिसेजह्न को उन जिलों में लागू किया जाएगा, जहां संबंधित अपराधों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके साथ ही पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को थाना-वार अपराध विश्लेषण करने तथा लापरवाही या ढिलाई पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

यमुनानगर:पहाड़ों में बर्फबारी से हथनीकुंड बैराज का जलस्तर घटा,बिजली उत्पादन पर असर

एजेंसी (हि.स.)
यमुनानगर

उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में हुई बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों की जल एवं ऊर्जा व्यवस्था पर व्यापक रूप से दिखाई देने लगा है। यमुना नदी के हथनीकुंड बैराज पर पानी की आवक में लगातार कमी दर्ज की जा रही है। इसका सीधा प्रभाव पश्चिमी और पूर्वी यमुना नहर प्रणालियों के साथ-साथ हाइडल बिजली उत्पादन पर पड़ रहा है, जिससे क्षेत्रीय बिजली आपूर्ति व्यवस्था दबाव में आ गई है। पहाड़ो में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण पिछले कई दिनों से हथनीकुंड बैराज पर जल प्रवाह में अस्थिरता देखने को मिली है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सोमवार सुबह 6 बजे 1943, सुबह 10 बजे 3309, दोपहर 2 बजे 2112 क्यूसेक सोमवार को ही शाम 6 बजे 1764 क्यूसेक रहा तथा अधिकतम 3595 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया। उपलब्ध पानी में से यमुना नदी, पश्चिमी यमुना नहर और पूर्वी यमुना नहर में सीमित मात्रा में ही जल छोड़ा जा सका।

जल प्रवाह में आई इस कमी का सबसे गहरा असर पश्चिमी यमुना नहर पर स्थापित हाइडल बिजली परियोजनाओं पर पड़ा है। यहां चार बिजली उत्पादन इकाइयों में कुल आठ टरबाइन मशीनें लगी हैं, जिन्हें नियमित संचालन के लिए प्रतिदिन लगभग 5400 क्यूसेक पानी की आवश्यकता होती है। मौजूदा हालात में पर्याप्त पानी उपलब्ध न होने के कारण सभी मशीनों को पूरी क्षमता से चलाना संभव नहीं हो पा रहा है।

उत्पादन को संतुलित रखने के लिए प्रत्येक इकाई की एक-एक मशीन को बंद रखना पड़ रहा है, जिससे कुल बिजली उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हाइडल परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में इन इकाइयों से महज लगभग 30 प्रतिशत बिजली ही उत्पन्न की जा रही है। इससे ग्रिड को मिलने वाली आपूर्ति में कमी आई है।

अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ों में जमी बर्फ के पिघलने के बाद ही यमुना के प्रवाह में स्थायी सुधार संभव है। मौसम विभाग और जल संसाधन विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार फरवरी माह तक हथनीकुंड बैराज पर पानी की आवक सामान्य से कम बनी रह सकती है। प्रशासनिक स्तर पर हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

एनसीआर में जहर बनती हवा, भाजपा सरकारों की विफलता उजागर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 700 से ऊपर खतरनाक स्तर पर पहुंचना केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि केंद्र और राज्यों की सरकारों की प्राथमिकताओं की गंभीर विफलता का प्रमाण है। इस समय न तो पराली जलाई जा रही है और न ही दीपावली जैसे त्यौहार हैं, फिर भी दिल्ली और एनसीआर की हवा जहर बन चुकी है। यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा।

घग्गर नदी का पानी फसलों के लिए भी अनुपयुक्त, जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा

यह बात सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने आज मीडिया को जारी एक बयान में कही। उन्होंने इन हालातों के लिए सरकार की नीतियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सभी जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं, तब एक-दूसरे पर आरोप लगाने का बहाना भी अब नहीं बचता। वर्षों तक कभी पंजाब तो कभी हरियाणा के किसानों को दोष देने वाली भाजपा आज जनता को यह बताए कि मौजूदा हालात के लिए उसकी क्या जवाबदेही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि 11 वर्ष पूर्व गंगा-यमुना को स्वच्छ करने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे। आज सरकार यह स्पष्ट करें कि क्या वास्तव में गंगा और यमुना स्वच्छ हो गई हैं, या ये घोषणाएं केवल प्रचार तक सीमित रहीं। उन्होंने हरियाणा की जीवन रेखा कही जाने वाली घग्गर नदी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार की अपनी रिपोर्ट बताती है कि घग्गर का पानी अब फसलों के लिए भी उपयुक्त नहीं रह गया है। नदी के किनारे बसे गांवों में कैंसर जैसी घातक बीमारियों का फैलना बेहद चिंताजनक है। यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सीधे-सीधे जन स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार का प्रश्न है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार इन जानलेवा मुद्दों पर गंभीरता से काम करने के बजाय धर्म और भावनात्मक मुद्दों के नाम पर राजनीति चमकाने में लगी हुई है। जनता को भाषण नहीं, बल्कि स्वच्छ हवा, स्वच्छ पानी और बुनियादी सुविधाएं चाहिए। उन्होंने मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारें तत्काल ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करें, प्रदूषण के वास्तविक कारणों पर वैज्ञानिक और ईमानदार कार्रवाई करें और नागरिकों को यह भरोसा दें कि उनकी सांसें और उनका स्वास्थ्य राजनीति की भेंट नहीं चढ़ेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

एमआईएचएएन जैसी परियोजनाओं से हरियाणा को मिलेगी नई दिशा : रणबीर गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से नागपुर प्रवास के दौरान शिष्टाचार भेंट की है। इस दौरान हरियाणा में चल रही तथा प्रस्तावित सड़क, राजमार्ग, पुलों और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं की प्रगति को लेकर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई। श्री गंगवा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के सड़क एवं परिवहन क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जिनका लाभ हरियाणा को भी मिल रहा है। नागपुर प्रवास के दौरान ही श्री रणबीर गंगवा ने देश की प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजना मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब एंड एयरपोर्ट (टक्लअठ) का दौरा किया। उन्होंने एमआईएचएएन की आधुनिक तकनीक, एकीकृत लॉजिस्टिक प्रणाली और सुव्यवस्थित संचालन की सराहना करते हुए कहा कि यह परियोजना औद्योगिक विकास, निर्यात और रोजगार सृजन के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल है। उन्होंने कहा कि एमआईएचएएन जैसे प्रोजेक्ट हरियाणा में विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। श्री गंगवा ने कहा कि इस प्रकार के अध्ययन दौरों और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ संवाद से विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को बल मिलता है और प्रदेश के समग्र विकास को नई गति मिलती है। इस दौरान उनके साथ पूर्व आईजी श्री दलबीर भारती, पूर्व चैयरमैन श्री सतबीर वर्मा भी मौजूद थे।

भारत निर्वाचन आयोग कल से 23 जनवरी तक आईआईसीडीईएम-2026 की मेजबानी करेगा

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) प्रथम भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) 2026 के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित यह तीन-दिवसीय सम्मेलन 21 जनवरी से नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू होगा। आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आईआईडीईएम-2026 लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में भारत द्वारा आयोजित अपनी तरह का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन बनने जा रहा है। विश्व भर के 70 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 100 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि, भारत में विदेशी मिशनों के प्रतिनिधि और चुनावी क्षेत्र के अकादमिक और व्यावहारिक विशेषज्ञ भी इसमें भाग लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी 21 जनवरी, 2026 को उद्घाटन सत्र में प्रतिनिधियों का स्वागत करेंगे और कार्यवाही को हरी झंडी दिखाएंगे। तीन-दिवसीय कार्यक्रम में चुनाव प्रबंधन निकाय (ईएमबी) के सामान्य और पूर्ण सत्र शामिल हैं, जिनमें उद्घाटन सत्र, चुनाव प्रबंधन निकाय के नेताओं का पूर्ण सत्र, चुनाव प्रबंधन निकाय के कार्य समूह की बैठकें, साथ ही वैश्विक चुनावी मुद्दों, आदर्श अंतरराष्ट्रीय चुनावी मानकों और चुनावी प्रक्रियाओं में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रणालियों पर केंद्रित विषयगत सत्र शामिल हैं।

रेडक्रास सोसायटी द्वारा डिस्चार्ज हो चुके जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध करवाए जाएंगे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर: विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र। जिला रेडक्रॉस समिति द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद अस्थमा से प्रभावित मरीजों तथा अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके उन मरीजों को, जिन्हें निरंतर ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, 10 से 15 दिनों के लिए आधुनिक तकनीक पर आधारित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। मरीज डॉक्टर की सलाह अनुसार इसका उपयोग घर पर कर सकेंगे। उपायुक्त एवं जिला रेड क्रॉस समिति के अध्यक्ष विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि समिति के पास वर्तमान में चार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीनें उपलब्ध हैं, जो हरियाणा रेड क्रॉस चंडीगढ़ से प्राप्त हुई हैं और पूर्णतः कार्यशील स्थिति में हैं। ये मशीनें विशेष रूप से उन गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध करवाई जाएंगी, जो आर्थिक तंगी के कारण ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। प्रथम चरण में पात्र मरीजों को यह मशीन 10 से 15 दिनों के लिए दी जाएगी। उपयोग के उपरांत मरीज के परिजनों को मशीन रेड क्रॉस कार्यालय में वापस जमा करवानी होगी। मशीन केवल उन्हीं मरीजों को प्रदान की जाएगी जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि जिला रेड क्रॉस समिति द्वारा अनेक सामाजिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिनमें आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है।

26 तक विद्यालय डाउनलोड कर सकेंगे नामांकन सूची

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से संबंधित सभी राजकीय व अराजकीय स्थाई/अस्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं गुरुकुल शैक्षिक सत्र 2025-26 कक्षा 9वीं से 12 वीं की नामांकन सूची 19 जनवरी से 26 जनवरी, 2026 तक डाउनलोड कर सकते हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से संबंधित सभी राजकीय व अराजकीय स्थाई/अस्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं गुरुकुल के मुखिया 19 जनवरी से 26 जनवरी, 2026 तक कक्षा 9वीं से 12वीं की नामांकन (सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाईट पर दिए गए लिंक पर विद्यालय की लॉगिन आई.डी. से निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि यदि कोई विद्यालय निर्धारित तिथि 26 जनवरी तक किसी कारणवश नामांकन सूची डाउनलोड नहीं कर पाता है, तो वह विद्यालय प्रतिवेदन के साथ निर्धारित शुल्क 200 रुपये प्रति सूची जमा करवाते हुए नामांकन सूची प्राप्त कर सकता है।

एमआईएचएएन जैसी परियोजनाओं से हरियाणा को मिलेगी नई दिशा : गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से नागपुर प्रवास के दौरान शिष्टाचार भेंट की है। इस दौरान हरियाणा में चल रही तथा प्रस्तावित सड़क, राजमार्ग, पुलों और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं की प्रगति को लेकर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई। श्री गंगवा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के सड़क एवं परिवहन क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जिनका लाभ हरियाणा को भी मिल रहा है।

नागपुर प्रवास के दौरान ही श्री रणबीर गंगवा ने देश की प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजना मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब एंड एयरपोर्ट (टक्लअठ) का दौरा किया। उन्होंने एमआईएचएएन की आधुनिक तकनीक, एकीकृत लॉजिस्टिक प्रणाली और सुव्यवस्थित संचालन की सराहना करते हुए कहा कि यह परियोजना औद्योगिक विकास, निर्यात और रोजगार सृजन के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल है। उन्होंने कहा कि एमआईएचएएन जैसे प्रोजेक्ट हरियाणा में विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। श्री गंगवा ने कहा कि इस प्रकार के अध्ययन दौरों और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ संवाद से विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को बल मिलता है और प्रदेश के समग्र विकास को नई गति मिलती है। इस दौरान उनके साथ पूर्व आईजी श्री दलबीर भारती, पूर्व चैयरमैन श्री सतबीर वर्मा भी मौजूद थे।

कर्जा लेकर घी पीने की नीति पर काम कर रही है भाजपा सरकार : भूपेंद्र हुड्डा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमँत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा सरकार चार्वाक की नीति कर्जा लेकर घी पीने का काम कर रही है। वर्ष 2014 में हरियाणा प्रदेश मे सिर्फ 70 हजार करोड़ कर्ज था लेकिन अब यह कर्ज बढकर 500 करोड़ हो गया है और इस साल फिर 30 हजार करोड़ कर्ज लिया जा रहा है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा कुरुक्षेत्र के शांतिनगर स्थित इंप्रुवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन जलेश शर्मा के निवास स्थान पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस मौके पर उनके साथ हरियाणा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा, शाहाबाद विधायक रामकरण काला व पिहोवा विधायक मनदीप चट्ठा भी मौजूद थे। इसके बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष पाली के निवास स्थान पर चाय पीने के लिए पहुंचे। यहां भूपेंद्र हुड्डा व अन्य नेताओं ने सुभाष पाली के बेटे अभिषेक पाली को जन्म दिन की शुभकामनाएं भी दीं।

पत्रकारों से रूबरू होते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज भाजपा सरकार ने हरियाणा के हालात बद से बदतर कर दिए हैं। स्कूलों में जाएं तो मास्टर नही हैं, अस्तपालों में जाएं तो डॉक्टर नही हैं और कॉलेजों में जाएं तो प्रोफेसर नही हैं। हरियाणा के विश्वविद्यालयों में 50 प्रतिशत सैंक्शन पद खाली पड़े हैं। भाजपा ने हरियाणा में शिक्षा को बिल्कुल पछाड़ दिया है। उन्होने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमारा गई है। गृह मंत्रालय के सोशल प्रोग्रेसिव इंडेक्स का हवाला देते हुए भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा पूरे देश में सबसे ज्यादा असुरक्षित प्रदेश है। बड़ी दुखद बात है कि हरियाणा में लगभग 60 गैंग ऐसे काम कर रहे हैं जो फिरौती मांग रहे हैं और हत्याएं हो रही हैं। स्थिति ये है कि प्रदेश में हर व्यक्ति अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रदेश में व्यापारी वर्ग हो, किसान वर्ग हो या दुकानदार वर्ग हो, हर कोई अपने आप को असुरक्षित मान रहा है। बेरोजगारी प्रदेश में बहुत तेजी से बढी है। पिछले कुछ सालों में कई सौ उद्योग हरियाणा से पयालन कर गए। यह सरकार प्रदेश में एक भी प्रोजेक्ट लेकर नही आई, जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके। रोजगार देने में 18 में से 14वें नंबर पर हरियाणा है। चुनाव से पहले तो हरियाणा को सबसे गरीब बना दिया और 2 करोड़ 80 लाख में से 2 लाख से 13 लाख बीपीएल बना दिए लेकिन चुनाव होते ही लाखों बीपीएल काट दिए गए। महिलाओं को 2100 रूपए देने की बात पर भी सरकार मुकर रही है और ब्यानों से पलट रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र ने कहा कि पंजाबी धर्मशाला में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। एआईसीसी की तरफ से हरियाणा व उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिलाध्यक्षों को पार्टी की नीतियों, पार्टी के इतिहास, देश के संविधान व मनरेगा समेत अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विषय विशेषज्ञों द्वारा जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग दी जा रही है। दोनों प्रदेशों के जिलाध्यक्ष गांवों में जाकर लोगों से भी मिले हैं। उन्होने कहा कि इस कार्यक्रम में राहुल गांधी भी पहुंचेंगें जो जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग देंगें व उनके परिवारों से मुलाकात करेंगें। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों में कभी ऐसे हालात नही बनें, जो आज बन रहे हैं। कानून व्यवस्था खत्म हो चली है। विधायकों को धमकी मिल रही है। नारनौल में पत्रकार के घर में घुसकर बदमाशों ने मारपीट की, जोकि शर्मनाक है। कांग्रेस के राज में बदमाश प्रदेश छोड़कर भाग गए थे लेकिन अब सरेआम गुंडागर्दी देखने को मिल रही है। इस मौके पर श्री ब्राह्मण एवं तीर्थोद्धार सभा के मुख्य सलाहकार जयनारायण शर्मा, पूर्व प्रधान श्याम सुंदर तिवाड़ी, मायाराम चंद्रभानपुर, मेहर सिंह रामगढ, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष विवेक भारद्वाज डब्बू, जिला कांग्रेस महासचिव टेकचंद बारना, पार्षद मनू जैन, सुभाष पलवल, गुरतेज सेखों, विशाल सिंगला, जिला युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुलदीप ढिल्लों, इशान शर्मा, अशोक भारद्वाज, दीपक सिंगला सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संपादकीय

45 साल, 10 अध्यक्ष: बीजेपी की कमान किसके हाथ कब रही?

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज देश की सबसे बड़ी और प्रभावशाली राजनीतिक पार्टी है, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का उसका सफर आसान नहीं रहा। 1980 में जनसंघ के विघटन के बाद अस्तित्व में आई भाजपा ने बीते करीब 45 वर्षों में कई राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे। इस पूरे कालखंड में पार्टी की वैचारिक दिशा, संगठनात्मक ढांचा और सत्ता तक पहुंच तय करने में उसके राष्ट्रीय अध्यक्षों की भूमिका निर्णायक रही। अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर मौजूदा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा तक, भाजपा की कमान अलग-अलग दौर में अलग व्यक्तित्वों के हाथों में रही, जिन्होंने समय की जरूरत के अनुसार पार्टी को नई दिशा दी। भाजपा की स्थापना के साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी को उसका पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। 1980 से 1986 तक अटल ने पार्टी का नेतृत्व किया। यह वह दौर था जब भाजपा अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने 'गांधीवादी समाजवाद' का नारा देकर पार्टी को एक मध्यमार्गी और लोकतांत्रिक छवि देने का प्रयास किया। हालांकि, शुरूआती वर्षों में भाजपा को अपेक्षित चुनावी सफलता नहीं मिली, लेकिन अटल के नेतृत्व में पार्टी ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। 1986 में पार्टी की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथों में आई। आडवाणी का अध्यक्षीय कार्यकाल भाजपा के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ माना जाता है। उन्होंने पार्टी को वैचारिक रूप से अधिक आक्रामक और संगठित किया। राम जन्मभूमि आंदोलन ने भाजपा को जनमानस से जोड़ने का काम किया और पार्टी को एक स्पष्ट राजनीतिक एजेंडा मिला। आडवाणी के नेतृत्व में भाजपा धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में उभरने लगी। इसके बाद मुरली मनोहर जोशी और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेताओं ने अध्यक्ष पद संभाला। कुशाभाऊ ठाकरे का कार्यकाल विशेष रूप से संगठनात्मक मजबूती के लिए जाना जाता है। उन्होंने बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत किया और कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को विस्तार दिया। यही संगठनात्मक ढांचा आगे चलकर भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बना। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में भाजपा सत्ता के करीब पहुंच चुकी थी। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने के साथ ही पार्टी की जिम्मेदारी ऐसे अध्यक्षों के हाथों में रही, जो सरकार और संगठन के बीच संतुलन बना सकें। इस दौर में पार्टी ने गठबंधन राजनीति का अनुभव भी हासिल किया और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के जरिए सत्ता में अपनी जगह बनाई। 2005 में पार्टी की कमान राजनाथ सिंह को सौंपी गई। यह वह समय था जब भाजपा को सत्ता से बाहर रहकर खुद को नए सिरे से तैयार करना था। राजनाथ सिंह ने पार्टी में अनुशासन और संगठनात्मक स्थिरता पर जोर दिया। उनके बाद 2009 में नितिन गडकरी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। गडकरी के कार्यकाल में संगठन को आधुनिक और पेशेवर बनाने की कोशिश हुई। संसाधन जुटाने और चुनावी प्रबंधन पर खास ध्यान दिया गया। 2013 में भाजपा के अध्यक्ष पद पर राजनाथ सिंह की वापसी हुई, लेकिन यह एक संक्रमणकाल था। इसी दौरान नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। 2014 के लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत के साथ भाजपा ने पूर्ण बहुमत हासिल किया और भारतीय राजनीति का परिदृश्य बदल गया। 2014 के बाद अमित शाह के अध्यक्ष बनने से भाजपा संगठन में एक नया अध्याय शुरू हुआ। अमित शाह को भाजपा के सबसे शक्तिशाली और रणनीतिक अध्यक्षों में गिना जाता है। उनके नेतृत्व में पार्टी ने अभूतपूर्व विस्तार किया। उत्तर-पूर्व से लेकर दक्षिण और पूर्वी भारत तक भाजपा ने अपनी पहुंच बढ़ाई। चुनावी रणनीति, माइक्रो-मैनेजमेंट और बूथ स्तर की योजना ने पार्टी को लगातार चुनावी सफलताएं दिलाईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत अमित शाह के संगठनात्मक कौशल का बड़ा उदाहरण मानी जाती है। 2020 में जे.पी. नड्डा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला। नड्डा का कार्यकाल संगठनात्मक स्थिरता और सरकार के साथ समन्वय के लिए जाना जाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान पार्टी और सरकार के बीच तालमेल बनाना, राज्यों में चुनावी रणनीति तय करना और संगठन को सक्रिय रखना नड्डा के सामने बड़ी चुनौतियां थीं। उनके नेतृत्व में भाजपा ने कई राज्यों में सत्ता बरकरार रखी और कुछ नए राज्यों में अपनी मौजूदगी मजबूत की। करीब 45 वर्षों के इस सफर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्षों का चयन समय और परिस्थितियों के अनुरूप होता रहा है। कभी विचारधारा को धार देने वाला नेता चुना गया, तो कभी संगठन को मजबूत करने वाला। कहीं जनसंघ की विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश हुई, तो कहीं आधुनिक चुनावी राजनीति की जरूरतों के अनुसार रणनीति बदली गई। यही कारण है कि भाजपा आज केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक संगठित आंदोलन के रूप में नजर आती है। अटल बिहारी वाजपेयी की उदार राजनीति से लेकर अमित शाह की आक्रामक चुनावी रणनीति और नड्डा के संतुलित संगठनात्मक नेतृत्व तक, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्षों का यह सफर भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप को भी दर्शाता है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी की कमान किसे सौंपी जाती है और वह नेता भाजपा को किस दिशा में ले जाता है।

धर्म ही है सृष्टि का संचालक और भारत के पुनरुत्थान का आधार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने 'धर्म' को सृष्टि का संचालक बताया है। उनका कथन है, सृष्टि निर्माण के साथ उसके संचालन के लिए बने नियम ही धर्म हैं। ये नियम विश्वव्यापी हैं। कोई व्यक्ति या वस्तु पूर्णतः अधर्मी नहीं हो सकते। निश्चित ही ये प्राचीन ग्रंथों की गहन व्याख्या पर आधारित उनका धर्म के विषय में निष्कर्ष है। श्रीमद्भागवत, मनुस्मृति, पाराशर स्मृति, महाभारत जैसे ग्रंथ 'धर्म' को स्वाभाविक नियम के रूप में परिभाषित करते हैं और वर्तमान संदर्भों में भी डॉ. भागवत के विचारों को व्यावहारिक और भारत के लिए अनिवार्य सिद्ध करते हैं।

डॉ. भागवत जी का मूल सूत्र यही है कि 'धर्म' ही पूरी सृष्टि का ड्राइवर है। यही श्रीमद्भागवत पुराण में कहा गया है 'धर्मः सनातनः सर्वस्य मूलं' अर्थात धर्म सनातन है और समस्त सृष्टि का मूल। भगवान विष्णु स्वरूप में सृष्टि संचालित करते हैं। नियम 'धर्म' के रूप में निर्धारित हैं। यहां डॉ. भागवत जल को बहने और अग्नि को जलाने का 'धर्म' बताते हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसा श्रीमद्भागवत पुराण 5.26.18 में वर्णित मिलता है। 'प्रत्येक तत्व का स्वभाव स्वधर्म सृष्टि संतुलन का आधार है।' भागवतजी इसे आध्यात्मिक एकता से जोड़ते हैं। भारत जैसे बहुलवादी समाज में यह दृष्टि आवश्यक भी है, क्योंकि आज देखने में भी यही आ रहा है, पश्चिमी व्यक्तिवाद सामूहिक कर्तव्य को कमजोर कर रहा है।

मनु और पाराशर स्मृति में सामाजिक संरचना और कर्तव्य हम देखते हैं, प्राचीन न्याय ग्रंथ मनुस्मृति भी अपने श्लोक 7.35 के माध्यम से 'राजधर्म' को प्रजा रक्षा के रूप में वर्णित करती है। डॉ. भागवत कहते हैं राज्य सेक्युलर हो सकता है किंतु मनुष्य नहीं। प्रत्येक वर्ण-आश्रम का स्वधर्म अनिवार्य है। समीक्षात्मक रूप से भारत में सेक्युलरिज्म का दुरुपयोग धार्मिक पहचान को कुचल रहा है। मनुस्मृति के अनुसार धर्मरहित राज्य अराजकता को निमंत्रण है। वहीं, पाराशर स्मृति आज के संदर्भ में विशेष प्रासंगिक है। ऋषि पाराशर 4.12 कर्मयोग पर बल देते हैं। निष्काम भाव से कर्तव्य पालन करते रहना ही व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए उन्नति का मार्ग है। समीक्षा में यह दर्शन युवाओं के लिए आदर्श होना चाहिए। पाराशर स्मृति लचीलापन भी प्रदान करती है। स्वभाविक है कि धर्मनिष्ठा से अहंकार मुक्त सेवा राष्ट्र को मजबूत बनाती है।

महाभारत में धर्म रक्षा

महाभारत इस 'धर्म' दर्शन का महाकाव्य रूप है। भीष्म पितामह युधिष्ठिर को उपदेश देते हैं अनुशासन पर्व 165.58 'धर्मो रक्षति रक्षितः' अर्थात धर्म की रक्षा करने वाला स्वयं सुरक्षित रहता है। महाभारत शांति पर्व 109.10 में कृष्ण कहते हैं 'स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः।' प्रत्येक का स्वधर्म पालन ही सृष्टि संचालन है। समीक्षात्मक विश्लेषण से महाभारत धर्म को व्यावहारिकता में सिद्ध करता है। कुरुक्षेत्र युद्ध अधर्म के विरुद्ध था। आज भारत को आंतरिक और बाहरी चुनौतियों से जूझना है। इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विचार हो या महाभारत काल में कुरुक्षेत्र में अधर्म के विरोध में युद्ध का अनिवार्य होना, निश्चित ही ये धर्मबल ही है जो हर हाल में विश्व गुरुत्व के लिए भारत के लिए अनिवार्य किया गया है, इसलिए प्रत्येक भारतवासी को धर्माचरण युक्त रहना चाहिए।

इस बात को अन्य 'धर्म' ग्रंथ जैसे उपनिषद् और गीता भी समर्थन देते हुए दिखाई देते हैं। ईशावास्य उपनिषद् का प्रथम श्लोक कहता है- 'ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत् तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम्।' सृष्टि ईश्वरीय नियम धर्म से संचालित है। भगवद्गीता 3.35 स्वधर्म पर जोर देती है। यही बातें डॉ. भागवत ने अपने भाषण के दौरान अपने ढंग से कही हैं और इन सभी को व्यक्तिगत कर्तव्य से जोड़ा है। जैसे कि रामायण में राम का राजधर्म त्याग और अपने कर्तव्य का प्रतीक है।

कहना होगा कि 'धर्म' भारत की रग-रग में बसा है। भारत में धर्मांतरण, गैर मुसलमानों के विरोध में जिहाद, नैतिक क्षय जैसी समस्याएं चहुंओर व्याप्त दिखती हैं। किंतु इन सभी संकटों का एक ही उपाय है, जिसे डॉ. मोहन भागवत ने स्पष्ट रूप से सभी को बताया है और वह विचार है ' सर्वस्व धर्म खड़ा होगा तो भारत विश्व गुरु बनेगा।' आज यह भी समझना होगा कि सेक्युलर राज्य का अर्थ धर्मविरोधी होना बिल्कुल नहीं है। भारत का संविधान भी धर्मनिरपेक्षता को सह-अस्तित्व मानता है।

डॉ. भागवत का आह्वान अहंकार मुक्त सेवा के लिए 'स्व' का समर्पण कर देने के लिए भी है। कुल मिलाकर वर्तमान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक आज जो कह रहे हैं या परंपरा में हमारे प्राचीन ग्रंथ समय-समय पर 'धर्म' के अर्थ को समझाते हुए जो कहना चाहते रहे हैं, उन सभी का एक ही मूल है। 'धर्म' ही सृष्टि नियम है। कोई भी अपने स्वभावगत धर्म में सहज विरत नहीं हो सकता है। अपने को परिष्कृत करने के लिए सतत साधना, कठोर अभ्यास एवं निरंतरता चाहिए। वैसे भी जहां धर्म है वहां विजय है और जहां विजय है वहीं यश, कीर्ति, लक्ष्मी और वैभव है, जिसमें कि जहां भी ये सभी कुछ है, वहां फिर शांति-सुख के लिए सहज प्रयास भी बड़े परिणामकारी होते हैं।

ऐसे में यदि भारत को परम वैभव चाहिए तो फिर उसके प्रत्येक नागरिक को धर्मयुक्त आचरण तो करना ही होगा, यहां विशेष रूप से सभी को समझना चाहिए कि 'धर्म' का अर्थ संकुचित अर्थ में रिलीजन, मत, पंथ, मजहब तो बिल्कुल नहीं है, अब यदि किसी को 'धर्म' के वास्तविक अर्थों को ओर गहराई से जानना है तो थोड़ा प्रयास करें, अध्ययन की गहराइयों में उतरें और 'धर्म' को जानते हुए अपने होने के सच्चे अर्थ को भी जानें। वस्तुतः यही भारतीय वांग्मय का चिंतन है और यही संघ के सर संघचालक डॉ. भागवत के मन का भाव भी होने के अर्थ में समझ आता है। अंत में इतना ही कि हम सभी धर्म को अपने आचरण विषय बनाएं क्योंकि इसी में भारत का हित है और इसी में भारत के प्रत्येक व्यकति की सच्चे अर्थों में सर्वांग उन्नति है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

एकीकृत प्रशासन कैसे भारत के अवसंरचना परिदृश्य को नया रूप दे रहा है

पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है—ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम-उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है।

आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म-आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है—एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग-अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।

अलग-अलग परियोजनाओं के बजाय, प्रणाली की सहायता से पैमाने का विस्तार

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है।

इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है - सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति – गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

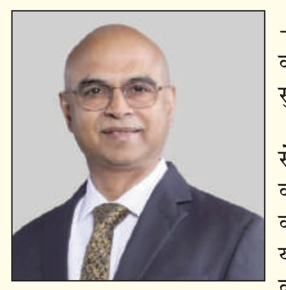

विनायक पाई

जवाबदेही को संस्थागत रूप देनाः समीक्षा से समाधान तक

इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है झ समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरूआत से जटिल, अंतर-मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।

यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक हैः विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं—जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं—अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है - तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन।

उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

विविध प्रारूपों से जुड़ी योजनाः परिसंपत्तियों से नेटवर्क तक

भारत की अवसंरचना रणनीति, परिवहन संपर्क से प्रतिस्पर्धा की ओर भी विकसित हो रही है। सड़कों की योजनायें अब केवल अंतिम बिंदुओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक लॉजिस्टिक्स और परिवहन इकोसिस्टम के रूप में बनायी जा रही हैं।

राजमार्गों का रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी परिवहन के साथ एकीकरण—जिसका समर्थन राष्ट्रीय योजना रूपरेखाओं, जैसे गति शक्ति द्वारा किया जा रहा है— ने भारत की लंबे समय से मौजूद संरचनात्मक चुनौतियों में से एकः उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, का समाधान करना शुरू कर दिया है।

नीति निमार्ताओं के लिए, यह बदलाव एक महत्वपूर्ण सबक को रेखांकित करता हैः अवसंरचना की दक्षता केवल परिसंपत्ति की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि परिसंपत्तियों के बीच समन्वय से निर्धारित होती है। एकीकृत योजना पुनरावृत्ति को कम करती है, सार्वजनिक पूंजी का अधिकतम उपयोग करती है और राष्ट्रीय संपत्तियों के उपयोग में सुधार करती है।

निवेश और उद्योग जगत के लिए भरोसे का लाभ

स्पष्ट नीति, तेज निर्णय चक्र और दिखाई देने योग्य कार्यान्वयन गति ने निवेशकों की धारणाओं को बदल दिया है। भारत में अवसंरचना को एक स्थिर व दीर्घकालिक निवेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे संस्थागत निरंतरता और प्रशासनिक संकल्प से समर्थन मिल रहा है।

ईपीसी उद्योग के लिए, यह वातावरण प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, सुरक्षा प्रणालियों और कौशल विकास में बड़े निवेश करने की सुविधा देता है। यह कंपनियों को अनिश्चितता का सामना करने के बजाय आत्मविश्वास के साथ बड़े पैमाने की योजना बनाने की अनुमति देता है।

अगले चरण के लिए नीति प्राथमिकताएँ

भारत अवसंरचना विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, नीतिगत ध्यान अब मात्रा के बजाय मूल्य की ओर होना चाहिए। प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैंः

- प्रारंभिक योजना और गुणवत्ता युक्त डीपीआर पर विशेष ध्यान
- जीवनचक्र आधारित परियोजना का योजना निर्माण, प्रारंभिक डिजाइन से परिचालन तक में स्थायित्व और सहनीयता शामिल करना
- निर्णय समयसीमा को और कम करने के लिए डिजिटल प्रशासन और डेटा एकीकरण
- तकनीक का उपयोग करके कार्यान्वयन गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण
- गति और वित्तीय विवेक को संतुलित करने वाली जोखिम-साझाकरण व्यवस्था
- सभी जीवनचक्रों में कौशल विकास

भारत की अवसंरचना यात्रा को अब इरादे या कार्यक्षमता की कमी से रोका नहीं जा सकता है। आगे का कार्य इन प्रणालियों को और गहरा करना, संस्थागत निरंतरता की रक्षा करना, और यह सुनिश्चित करना है कि अवसंरचना समावेशी, प्रतिस्पर्धी और मजबूत विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती रहे।

आज का राशिफल

मेषः कार्यस्थल की जटिलताओं को सुलझाने में अतिरिक्त प्रयास करना होगा। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा और धार्मिक गतिविधियों की योजना बन सकती है। पिता से जुड़ी कोई उपलब्धि आपको गौरवान्वित करेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः सेहत अनुकूल रहेगी, लेकिन दिखावे में खर्च नुकसानदेह हो सकता है। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से संपर्क मजबूत होंगे। लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आईटी क्षेत्र के पेशेवरों को विदेश से अवसर मिल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः वैवाहिक जीवन में तनाव की स्थिति बन सकती है। नए सहयोगियों पर भरोसा करने से पहले सतर्क रहें। शेयर बाजार में बड़े निवेश से बचें। माइग्रेन या सिरदर्द परेशान कर सकता है। अनावश्यक घूमने-फिरने से समय न गंवाएं। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः कार्यस्थल पर विरोधियों की आलोचना संभव है। वकालत से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है और कानूनी मामलों में सफलता के योग हैं। अपनों की सलाह लाभकारी रहेगी। परिवार के छोटे सदस्य प्रसन्न रहेंगे। विचारों की अधिकता मन को व्यस्त रखेगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः नए कार्य की शुरूआत के लिए अनुकूल समय है। प्रेम संबंधों में तकरार हो सकती है। कुटीर उद्योग से अच्छा लाभ मिलेगा। तीखे भोजन से परहेज करें। आपके प्रयासों का फल मिलेगा, भले ही श्रेय कोई और लेने की कोशिश करे। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः लक्ष्यों को लेकर दबाव महसूस हो सकता है। सरकारी कामकाज में रुकावटें आएंगी। अधीनस्थों से अपेक्षित सहयोग न मिले। कोई भी निर्णय लेने से पहले मित्रों से सलाह लें। विरोधी फिर सक्रिय हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः व्यावसायिक समझौतों से पहले दस्तावेज सावधानी से जांचें। आप मदद के लिए आगे रहेंगे, लेकिन कुछ लोग भरोसा तोड़ सकते हैं। वाणी में संयम रखें। कार्यस्थल पर आपके काम पर नजर रहेगी। जमीन से जुड़े कारोबार में सतर्कता जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः दिन कुल मिलाकर शुभ है। घर की सुख-सुविधाओं पर ध्यान देंगे। मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। ऑफिस में प्रशंसा मिलेगी, हालांकि परिवार में आपकी बात अनदेखी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः व्यवसाय में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। अधिक सोच-विचार से काम बिगड़ने की आशंका है। बच्चों को डांटने के बजाय समझाना बेहतर रहेगा। मौसम परिवर्तन से सर्दी-बुखार हो सकता है। ईर्ष्या करने वालों की संख्या बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

मकरः अपने विचार दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में लाभ के संकेत हैं। पारिवारिक सामंजस्य बढ़ेगा। नया वाहन खरीदने के योग हैं। भोग-विलास का आनंद लेंगे और धार्मिक स्थल की यात्रा संभव है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः दांपत्य जीवन में हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है। छात्रों का ध्यान पढ़ाई से भटक सकता है। लंबी यात्रा टालें। मधुमेह और रक्तचाप के रोगियों को सावधानी रखनी चाहिए। मन कुछ उदास रह सकता है—कार्यस्थल पर भावनाओं की अनदेखी न करें। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज के दिन समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज के दिन माता-पिता का आशीर्वाद लाभ देगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्रों के सहयोग से धन लाभ की संभावना है। शत्रुओं पर आपका प्रभाव बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

'हे,राम! चित्रकूट में मंदाकनी हो गई मैली'

मुकुंद (हि.स)

त्रेता युग से लेकर अब तक दशरथ नंदन राम सबके हैं। अयोध्या के राजा राम ने अपने वनवास के 14 वर्ष का लंबा हिस्सा चित्रकूट में गुजारा है। जनश्रुति है कि वह वैदेही सीता और अपने भाई लक्ष्मण के साथ यहां लगभग साढ़े 11 बरस रहे। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बड़े भू-भाग में स्थित चित्रकूट अब वैसा नहीं रहा। बहुत कुछ नहीं, सबकुछ बदल चुका है। अब मंदाकनी नदी हांफने लगी है। मध्य प्रदेश के चित्रकूट क्षेत्र के सती अनुसूया आश्रम की पहाड़ी से निकली मंदाकनी का अस्तित्व खतरे में है। विकास के नाम पर मंदाकनी को आक्सीजन देने वाले औषधीय और गैर औषधीय एक दो नहीं अनगिनत वृक्षों की बलि चढ़ाई जा चुकी है।

भगवान राम त्रेता युग में चित्रकूट आए थे। यह युग लगभग 12,96,000 वर्ष का माना जाता है। सर्वोदय कार्यकर्ता और चित्रकूट के जल-जंगल और जमीन के सशक्त पहरेदार अभिमन्यु भाई (अभिमन्यु सिंह) कहते हैं, "विनाशकारी विकास ने चित्रकूट की पयस्विनी (पैसुनी) और सरयू नदी को पहले ही लील लिया । यह दोनों पवित्र जलधारा कामदगिरी पर्वत से निकलकर चित्रकूट के राम प्रयाग घाट (राम घाट) में मंदाकनी में मिलती थीं। भगवान राम ने इसी घाट पर अपने पिता दशरथ का तर्पण किया। मंदाकनी को बचाने की जद्दोजहद में मैं अब खुद को हारा महसूस करने लगा हूं।"

अभिमन्यु सिंह कहते हैं, " कोई साथ नहीं दे रहा। अकेली आवाज का लोग और अफसर मजाक उड़ाने लगे हैं। इस बुढ़ापे में भी लगा रहता हूं। सोचता हूं पैसुनी और सरयू को तो विकास के आंक्राताओं किस्तों में मार डाला। मंदाकनी की हालत देखकर पूरा बदन कांपने लगता है। यह नदी कभी कल-कल कर बहते हुए रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के राजापुर में यमुना नदी में मिलकर जयश्री राम का उद्घोष करते हुए मिल जाती थी। लोग

आज भी राजापुर के संगम में तीज त्योहार पुण्य की कामना करते हुए डुबकी लगाकर खुद को धन्य समझते हैं। चित्रकूट के सारे घरों, होटलों और मंदिरों का गंदा पानी इसी मंदाकनी में जाता है। नालों से गुजरता यह पानी मंदाकनी के जल को विषाक्त कर रहा है।"

ऐसा मानने वाले चित्रकूट में दर्जनों लोग हैं। मगर हर कोई खुलकर बोलने से डरता है। मगर कुछ लोग दबी जुबान बोलते हैं कि साहब कुछ नहीं किया जा सकता। कंधों पर बंदूकें टांगे दादू (ठेकेदार और उनके कारिंदे) और सिपाहियों को लेकर अफसर आते हैं। घंटों में नहीं सिर्फ मिनटों में जेसीबी चलवाकर आदिकालीन वृक्षों को गिराकर वहां से निकलने वाली मिट्टी से मंदाकनी के दोनों ओर पक्की दीवार बनवा रहे हैं। इन लोगों का दावा सच भी है। ऐसा स्फटिक शिला से कुछ पहले अब भी देखा जा सकता है। मंदाकनी का प्राकृतिक प्रवाह भी बदल गया है। कुछ आगे आने पर मंदाकनी की धारा का बड़ा हिस्सा घेरकर स्विमिंग पूल बनवा दिया गया है। अभिमन्यु कहते हैं कि अगर कलयुग में मंदाकनी को बचाने कोई भगीरथ सामने नहीं आया तो ना रहेगी मंदाकिनी ना चित्रकूट।

हैरानी यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चित्रकूट की मंदाकनी नदी को स्वच्छ करने का आह्वान कर चुके हैं। वह मंदाकनी नदी के जल का आचमन भी कर चुके हैं। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय के नमामि गंगे जैसी परियोजनाओं के माध्यम से मंदाकनी और अन्य नदियों को स्वच्छ और बाधा-मुक्त रखने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। चित्रकूट आगमन पर मंदाकिनी के कटाव का निरीक्षण भी किया है। बावजूद इसके कुछ भी ऐसा नहीं हुआ कि मंदाकनी को बचाया जा सके। यह नदी धर्मपारायण जनता के लिए गंगा है।

यहां प्रमोद वन, आमोद वन, सिरसा वन, शृंगार वन समेत कुल सात वन होते थे। अभिमन्यु कहते हैं कि इनमें कई लगभग-लगभग उजड़ चुके हैं। मगर कामदगिरी वन काफी हद तक बचा हुआ। यह चित्रकूट का सबसे पवित्र वन क्षेत्र है। इसी वन्य क्षेत्र में कामदगिरी पर्वत स्थित है। लोग बारह महीनों इस पर्वत की परिक्रमा (पांच किलोमीटर) करते हैं। अनुसूया वन कभी घना वन क्षेत्र रहा है। विकास की कुल्हाड़ी यहां के वन क्षेत्र में चलती रहती है। जनश्रुति यह भी है इस दण्डकारण्य में तुलसीदास को भगवान राम ने दर्शन दिए थे। लोग यहां आकर नतमस्तक होते हैं। मकर संक्रांति पर कोलकाता से यहां कामदगिरी का परिक्रमा लगाने पहुंचे विजय प्रताप रामघाट में मंदाकनी में मिल रहे नालों को देखकर विचलित हो गए। उन्होंने पवित्र डुबकी नहीं लगाई और एक प्याऊ का जल छिड़ककर आगे बढ़ गए।

चित्रकूट भूदान आंदोलन और सर्वोदय के प्रणेता संत विनोबा भावे, रामायण मेला के प्रथम प्रवर्तक डॉ. राममनोहर लोहिया और चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की नींव डालने वाले नानाजी देशमुख का केंद्र रहा है। संत विनोबा भावे के चित्रकूट से विशेष लगाव के कई पहलू हैं। वह चित्रकूट को परमधाम मानते थे। चित्रकूट की शांत और आध्यात्मिक भूमि को उन्होंने जीवन के उच्च मूल्यों (सेवा, निष्काम कर्म, समन्वय) को जीने और भूदान-ग्रामदान जैसे आंदोलनों की प्रेरणा में बदला। उन्होंने चित्रकूट ने उन्हें सत्ता की राजनीति से ऊपर उठकर जनशक्ति और नैतिक शक्ति पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। यह उनके 'जय जगत' के नारे और विश्व बंधुत्व के संदेश का भी आधार बना। विनोबा भावे ने चित्रकूट और मंदाकिनी नदी के किनारे गहन आध्यात्मिक चिंतन किया। उनके लिए यह स्थान एकांत और बाहरी दुनिया के शोर से दूर रहकर आत्मा और ईश्वर से जुड़ने का माध्यम बना। 1952 में वो यहां आए और यहीं के होकर रह गए। उन्होंने मंदाकनी के किनारे रहकर प्रकृति और मनुष्य के बीच के संबंध को समझने का प्रयास किया।

चित्रकूट नानाजी देशमुख के लिए कर्म भूमि रहा। उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि 'हर हाथ को काम और हर खेत में पानी' के लक्ष्य के साथ ग्रामीण भारत में वास्तविक बदलाव लाया जा सके। चित्रकूट के अस्तित्व संकट पर सामाजिक कार्यकर्ता आलोक द्विवेदी कहते हैं कि सीवेज का पानी मंदाकनी में नहीं जाना चाहिए। ना ही बेवजह वृक्षों पर कुल्हाड़ी चलनी चाहिए। अभिमन्यु भाई का विचार है कि अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा। संयुक्त (उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश) चित्रकूट विकास प्राधिकरण बनाकर बदलाव लाया जा सकता है। दोनों सरकारें समान जिम्मेदारी उठाएं और निगरानी तंत्र बनाकर चित्रकूट और मंदाकनी की रक्षा करें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

पंजाब ने आर.टी.आई. एक्ट लागू करने में शानदार प्रगति की: विनोद कुमार तिवारी

केन्द्रीय सूचना आयुक्त ने पंजाब में आर.टी.आई. एक्ट के क्रियान्वयन की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केन्द्रीय सूचना आयुक्त विनोद कुमार तिवारी (आई.एफ.एस. सेवानिवृत्त) ने आज चण्डीगढ़ स्थित पंजाब राज्य सूचना आयोग के मुख्य कार्यालय का दौरा किया।

इस दौरे के दौरान उन्होंने मुख्य सूचना आयुक्त, पंजाब, श्री इन्दरपाल सिंह धन्ना, तथा पंजाब के राज्य सूचना आयुक्तों - डॉ. भूपिन्दर सिंह बाथ, हरप्रीत सन्धू सहित अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री डी.के. तिवारी के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) एक्ट, 2005 को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें संस्थागत सुधारों, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा कुशल जानकारी प्रदान करने वाली व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

श्री वी.के. तिवारी ने पंजाब राज्य सूचना आयोग के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि पंजाब ने सूचना का अधिकार एक्ट को लागू करने में शानदार प्रगति की है।

बैठक के दौरान पंजाब के मुख्य सूचना आयुक्त, श्री इन्दरपाल सिंह धन्ना ने नागरिकों को जानकारी की कुशल एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य सूचना आयोग समयबद्ध और प्रभावी जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के दौरान श्री वी.के. तिवारी ने केन्द्रीय सूचना आयुक्त के रूप में अपने अनुभव साझा किए, जिसमें सर्वोत्तम अभ्यासों, वर्तमान चुनौतियों तथा मामलों के निपटारे को और बेहतर बनाने तथा समग्र आर.टी.आई. ढांचे को मजबूत करने के व्यावहारिक तरीकों को उजागर किया गया।

यह विचार-विमर्श पंजाब राज्य सूचना आयोग की कार्य-कुशलता को बढ़ाने के लिए आपसी विचार-विनिमय का एक बड़ा मंच साबित हुआ। मुख्य सूचना आयुक्त श्री धन्ना, राज्य सूचना आयुक्तों तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री डी.के. तिवारी द्वारा केन्द्रीय सूचना आयुक्त विनोद कुमार तिवारी को प्रशंसा पत्र भेंट किया गया। उन्होंने श्री वी.के. तिवारी के विचारों को बहुत मूल्यवान करार देते हुए चर्चा को अत्यंत रचनात्मक एवं लाभदायक बताया।

श्री हरप्रीत सन्धू ने भारत के केन्द्रीय सूचना आयुक्त, विनोद कुमार तिवारी का पंजाब राज्य सूचना आयोग के अपने दौरे के दौरान आर.टी.आई. पारदर्शिता पर उनकी गहरी समझ-बूझ तथा महत्वपूर्ण अनुभव साझा करने के लिए धन्यवाद दिया।

अनिंदिता मित्रा ने पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में पदभार संभाला

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अनिंदिता मित्रा ने पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे पंजाब सरकार में स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा तथा भाषा विभाग में प्रशासनिक सचिव के रूप में सेवाएं दे रही थीं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2007 बैच की आईएएस अधिकारी अनिंदिता मित्रा के पास प्रशासनिक कार्यों का व्यापक अनुभव है तथा शासन के संस्थागत कार्यकलापों की गहरी समझ और अनुभव भी है।

पंजाब के सीईओ के रूप में पदभार संभालने के बाद अनिंदिता मित्रा ने कहा कि उनके लिए यह अत्यंत गौरव की बात है कि उन्हें पंजाब राज्य में एक संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक संस्था का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों के दौरान भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मतदाता सूचियों के संशोधन और समावेशन में निरंतर सुधार करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, पंजाब लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने तथा मतदाता पंजीकरण से लेकर मतदान के दिन तक पूरी चुनाव प्रक्रिया में मतदाता-केंद्रित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करेगा। मित्रा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित उच्चतम मानकों और दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय सुलभता और पारदर्शिता को प्राथमिकता देता रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पूरे राज्य में पारदर्शिता बढ़ाने, मतदाता सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा कुशल चुनाव प्रबंधन और संचालन सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

बॉलीवुड स्टार सोनू सूद ने पटियाला के भूपिंद्रा रोड पर सियाराम की नई पहल देवो का उद्घाटन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
पटियाला

शाही शहर पटियाला में आज बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता और परोपकारी सोनू सूद ने भूपिंद्रा रोड पर सियाराम के प्रीमियम मेंस वियर ब्रांड देवों के स्टोर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सोनू सूद के साथ सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक मिस्टर गौरव पोद्दार भी उपस्थित रहे। मेड ऑफ इंडिया के मूल विचार पर आधारित देवो ब्रांड भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक डिजाइन का एक सुंदर संगम है। स्टोर में हस्तशिल्प और बारीक नक्काशी वाली शेरवानियां, इंडो-वेस्टर्न परिधान, जोधपुरी, कुर्ता-पायजामा और टक्सीडो का विशाल संग्रह उपलब्ध है, जो छोटे समारोहों से लेकर शाही शादियों तक के लिए उपयुक्त है। इस अवसर पर मिस्टर गौरव पोद्दार ने कहा कि पंजाब हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार बनकर उभरा है। जालंधर में मिली सफलता के बाद, पटियाला की सांस्कृतिक विरासत और यहाँ के लोगों की पसंद को देखते हुए देवो का यहाँ आना स्वाभाविक था।

अभिनेता सोनू सूद ने कहा कि पटियाला मेरी जन्मभूमि है और यहाँ होना मेरे लिए बेहद खास है। मेरा जन्म यहीं पटियाला के राजिंदरा अस्पताल में हुआ था, इसलिए यह शहर मेरी पहचान से गहराई से जुड़ा हुआ है। मैंने यहाँ कई फिल्मों की शूटिंग की है और यहाँ का अपनापन बहुत खास है। मुझे खुशी है कि देवो जैसा ब्रांड, जो भारतीय कारीगरी और परंपरा को सम्मान देता है, अब पटियाला में खुल गया है। गौरतलब है कि मेड ऑफ इंडिया के मूल विचार पर आधारित देवो ब्रांड भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक डिजाइन का एक सुंदर संगम है। स्टोर में हस्तशिल्प और बारीक नक्काशी वाली शेरवानियां, इंडो-वेस्टर्न परिधान, जोधपुरी, कुर्ता-पायजामा और टक्सीडो का विशाल संग्रह उपलब्ध है, जो छोटे समारोहों से लेकर शाही शादियों तक के लिए उपयुक्त है।

आईआईटी रोपड़ और सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

सिटी दर्पण संवाददाता
रोपड़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ (आईआईटी रोपड़) और सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी, गुरदासपुर (एसबीएसएसयू) ने आज दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके एक रणनीतिक साझेदारी को औपचारिक रूप दिया।

इस समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़, और प्रोफेसर सुशेन्द्र कुमार मिश्रा, कुलपति, एसबीएसएसयू गुरदासपुर द्वारा हस्ताक्षर किए गए, जो ज्ञान के आदान-प्रदान, वैश्विक शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने और अनुसंधान उन्नति को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजाइन किए गए पांच साल के सहयोगात्मक ढांचे की शुरूआत का प्रतीक है।

इस साझेदारी के तहत, दोनों संस्थान विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में व्यापक शैक्षणिक सहयोग में संलग्न होंगे। इस सहयोग में शैक्षिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर पर संकाय, वैज्ञानिकों और छात्रों का आदान-प्रदान शामिल है। एसबीएसएसयू के छात्रों को आईआईटी रोपड़ में सेमेस्टर-लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम करने का अवसर मिलेगा, जबकि दोनों संस्थान शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के लिए प्रयोगशाला बुनियादी ढांचे की साझेदारी को सुविधाजनक बनाएंगे।

यह समझौता ज्ञापन संयुक्त अनुसंधान और विकास पहलों का प्रावधान करता है, दोनों संस्थान प्रायोजित अनुसंधान कार्यक्रमों और परामर्श परियोजनाओं में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को आमंत्रित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त, यह साझेदारी पारस्परिक रुचि के विषयों पर संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों के आयोजन को बढ़ावा देगी, जिससे शैक्षणिक विमर्श और व्यावसायिक विकास के लिए मंच तैयार होंगे। सहयोग की एक प्रमुख विशेषता संरचित छात्र विनिमय कार्यक्रम है, जहां भाग लेने वाले छात्र मेजबान संस्थान में अध्ययन या अनुसंधान के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम करते हुए अपने गृह संस्थान में पूर्णकालिक स्थिति बनाए रखेंगे। इन आदान-प्रदानों के दौरान अर्जित शैक्षणिक क्रेडिट को संस्थागत नीतियों के अधीन मान्यता दी जाएगी, जिससे छात्रों के शैक्षणिक प्रक्षेपवक्र में निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित होगा।

यह सहयोग दोनों संस्थानों के बीच तालमेल बनाने, शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और क्षेत्र और उससे परे ज्ञान की उन्नति में योगदान करने के लिए उनकी संबंधित शक्तियों का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

युद्ध नशों विरुद्ध के 324वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 7 किलो हेरोइन सहित 80 नशा तस्कर काबू

चंडीगढ़। प्रदेश से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध के 324वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 262 स्थानों पर छापेमारी की। इसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में 80 एफआईआर दर्ज कर 57 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इस तरह 324 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 45,331 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 7 किलो हेरोइन, 828 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 5,420 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

> **नशा मुक्ति से संबंधित प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 19 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए प्रेरित किया**

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की गई है।

इस अभियान के दौरान 59 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 262 स्थानों पर छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिन भर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 270 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी)—लागू की है और इस रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 19 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का उपचार लेने के लिए सहमत किया है।

शिअद कर्मचारियों के अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ा है: झिंजर

सिटी दर्पण संवाददाता
पटियाला

यूथ अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत झिंजर ने आज पटियाला में आउटसोर्स बिलिंग मीटर रीडर यूनियन की जायज मांगों के समर्थन का ऐलान किया। इस अवसर पर शिरोमणि कमेटी के सदस्य जत्थेदार जसमेर सिंह लाछड़ू भी उनके साथ मौजूद थे।

मीडिया को संबोधित करते हुए झिंजर ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अच्छी नौकरियों में देखना चाहते हैं, लेकिन पंजाब सरकार ने हालात बिल्कुल उलट बना दिए हैं। पिछले 33 दिनों से आउटसोर्स कर्मचारी अपनी हक की मांगों को लेकर सड़कों पर बैठे हैं, लेकिन सरकार का कोई भी प्रतिनिधि उनकी सुध लेने नहीं आया। उदाहरण देते हुए झिंजर ने कहा कि सरकार से ठेकेदार प्रति कर्मचारी 20 से 25 हजार रुपये ले रहे हैं, जबकि कर्मचारियों को केवल 5 से 7 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। यह कर्मचारियों के साथ सीधी ठगी है। झिंजर ने इस मामले में सरकार और ठेकेदारों से गंभीरता दिखाने की मांग की।

उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेतावनी दी कि केवल बातें करने से काम नहीं चलता, जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं के साथ बड़ा धोखा किया है। आम आदमी पार्टी के विधायकों पर निशाना साधते हुए झिंजर ने कहा कि अअढ के विधायक अपने-अपने हलकों में खजाने भरने में लगे हैं और आने वाले समय में लोग झाड़ू पार्टी के किसी भी विधायक को गांवों में घुसने नहीं देंगे। जनता के साथ धोखा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कड़ी टिप्पणी करते हुए झिंजर ने कहा कि 2022 में सरकार बनने से पहले आम आदमी पार्टी कर्मचारियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाती रही और वादा करती रही कि सत्ता में आते ही उनकी मांगें तुरंत पूरी की जाएंगी। लेकिन चार साल बीत जाने के बावजूद हकीकत बिल्कुल उलट है। कर्मचारी आज भी उचित वेतन के बिना संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ धोखाधड़ी नहीं, बल्कि लोगों के अधिकारों और भावनाओं के साथ खिलवाड़ का सबूत है। सरकार ने अपने वादों को खोखले शब्दों तक सीमित कर दिया है, जिसके कारण कर्मचारियों में निराशा और गुस्सा बढ़ रहा है और जनता का सरकार से भरोसा उठ चुका है।

सरबजीत झिंजर ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल 105 साल पुरानी संघर्ष से जन्मी पार्टी है और समाज के हर वर्ग के अधिकारों के लिए खड़ी है। उन्होंने कहा, हम कर्मचारियों के अधिकारों के लिए उनके साथ खड़े हैं और हमारे नेता हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन कर्मचारियों की मांगें नहीं मानी गईं और उन्हें अनुबंध या पक्का नहीं किया गया, तो इसके परिणाम बहुत गंभीर होंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 2027 में सरकार बनने पर शिरोमणि अकाली दल इन सभी मुद्दों को तुरंत हल करेगा। झिंजर ने कहा, सरदार सुखबीर सिंह बादल जो कहते हैं, उसे करके भी दिखाते हैं।

अकाली दल कर्मचारियों के अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगा और हर स्तर पर उनकी आवाज बुलंद करेगा। झिंजर ने दोहराया कि 2022 में सरकार बनने से पहले आम आदमी पार्टी कर्मचारियों की मांगों को लेकर आवाज उठाती रही, लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी इन कर्मचारियों की एक भी मांग पूरी नहीं की गई।

संक्षिप्त-समाचार

गुरदासपुर जिले में आज श्री बावा लाल जी के जन्म दिवस पर सरकारी अवकाश की घोषणा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा श्री बावा लाल जी के जन्म दिवस के अवसर पर 20 जनवरी (मंगलवार) को गुरदासपुर जिले में सरकारी अवकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग (कार्मिकझ्र3 शाखा) द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, जिला गुरदासपुर के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी कार्यालय, बोर्ड/निगम तथा सरकारी शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे।

नेबरहुड डेवलपमेंट एसोसिएशन ने वार्षिक दान अभियान के तहत शहर के बाजारों में 400 कंबल वितरित किए

चंडीगढ़। नेबरहुड डेवलपमेंट एसोसिएशन ने एनजीओ सोसाइटी फॉर डिवाइन रेकी मेडिटेशन के साथ मिलकर वार्षिक कंबल दान अभियान शुरू की है। शहर के बाजारों के गलियारों में रहने वाले बेघर लोगों को कड़ाके की ठंड से बचाने के उद्देश्य के तहत, सेक्टर 20 और 21 में लगभग 400 कंबल बांटे गए। इस मुहिम को वर्निनी ने बहुत सपोर्ट किया, जो एक कॉन्शियस मेड-टू-ऑर्डर फैशन लेबल है, जिसका मानना है कि कपड़े दिखने में जितने अच्छे लगें, पहनने में भी उतने ही आरामदायक होने चाहिए। जाने-माने सोशल वर्कर राजीव कटारिया ने इस कैंपेन की अगुवाई की। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद कड़ाके की ठंड वाली रातों से जरूरी सुरक्षा देना है। रातें ठंडी और मुश्किल होती हैं और एक साधारण कंबल खुले में सोने वाले लोगों को गर्मी और इज्जत दे सकता है। चंडीगढ़ सीनियर सिटिजन्स एसोसिएशन ईस्टर्न चैप्टर के कैशियर मनजीत सिंह बख्शी ने समुदाय से अपील की कि वे एक साथ आएं और सर्दियों में सबसे ज्यादा कमजोर लोगों की मदद करें। नेबरहुड डेवलपमेंट एसोसिएशन की अध्यक्षा शिखा निझवान ने नरेश गौतम, अनिरुद्ध कपूर, अनुपम खन्ना, परवीन अग्रवाल, वीएम भल्ला, मनिंदर सिंह, सुशील गुलाटी, अमन रिकी, मोहन सिंह, राजीव गुप्ता और अन्य लोगों का ऐसे लोगों की मदद के लिए आगे आने और योगदान देने के लिए धन्यवाद किया।

न्युवोको ने न्युवोको अश्वमेध के साथ ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाई

चंडीगढ़/चरखी दादरी। भारत की अग्रणी और भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने हरियाणा में ह्यन्युवोको अश्वमेधह्न लॉन्च किया है। यह नॉलेज-ऑन-व्हील्स आधारित एक मोबाइल एक्सपीरियंस सेंटर है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को उत्पादों की जानकारी देना, जागरूकता बढ़ाना और न्युवोको के व्यापक पोर्टफोलियो को एक ही मंच पर प्रस्तुत करना है। इमर्सिव ऑन-ग्राउंड एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया न्युवोको अश्वमेध इंडिविजुअल होम बिल्डर्स, इन्फ्लुएंसर्स और चैनल पार्टनर्स को हैंड्स-ऑन ब्रांड अनुभव प्रदान करता है। दिसंबर 2025 में शुरू की गई यह पहल फिलहाल दो मोबाइल एक्सपीरियंस सेंटर्स के माध्यम से राज्यभर में संचालित की जा रही है, जो जिला-दर-जिला रूट प्लान के तहत गहरी क्षेत्रीय पहुंच सुनिश्चित करती है। मोबाइल सेंटर में क्यूरेटेड प्रोडक्ट डिस्प्ले, लाइव डेमो, तकनीकी मार्गदर्शन और इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं। इससे ग्राहक सही निर्माण पद्धतियों, उत्पादों के प्रदर्शन और उपयोग के लाभों को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। न्युवोको के हेड-मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस चिराग शाह ने कहा कि न्युवोको अश्वमेध ग्राहकों के करीब ज्ञान और नवाचार पहुंचाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है और दीर्घकालिक विश्वास को मजबूत करता है।

लीची प्लेटफॉर्म भारत के वॉलंटियरिंग इकोसिस्टम में सर्टिफिकेट फ्रॉड और कोऑर्डिनेशन की कमियों को करता है दूर

चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने भारत का पहला वेरिफाइड वॉलंटियरिंग प्लेटफॉर्म लीची किया लांच

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

संसद सदस्य मनीष तिवारी लीची का उद्घाटन किया, जो भारत में वॉलंटियर कोऑर्डिनेशन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए डिजाइन किया गया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। लॉन्च इवेंट में वॉलंटियर्स के सामने आने वाली चुनौतियों पर एक पैनल चर्चा हुई, जिसके बाद उन संगठनों को उरफपुरस्कार दिए गए, जो अनुकरणीय सामाजिक प्रभाव दिखाते हैं।

भारत का वॉलंटियरिंग क्षेत्र वर्तमान में ग्रुप, मैनुअल स्प्रेडशीट और अनौपचारिक रिकॉर्ड जैसे बिखरे हुए कोऑर्डिनेशन सिस्टम के माध्यम से काम करता है। इससे वेरिफिकेशन में चुनौतियाँ आती हैं और सर्टिफिकेट फ्रॉड के मामले सामने आते हैं। कॉलेज एप्लीकेशन के लिए वेरिफाइड कम्युनिटी सर्विस घंटे चाहने वाले छात्रों को अक्सर डॉक्यूमेंटेशन की कमी का सामना करना पड़ता है, जबकि प्रशासनिक बोझ और अपने तत्काल नेटवर्क से परे सीमित दृश्यता से जूझते हैं। लीची के संस्थापक सुमेर ने कहा, वॉलंटियरिंग नागरिक जुड़ाव के लिए मौलिक है, लेकिन उचित बुनियादी ढांचे के बिना, प्रभाव को मापना या बढ़ाना मुश्किल रहता है। हम कोई और डोनेशन प्लेटफॉर्म नहीं बना रहे हैं। हम समय-आधारित योगदान के लिए वेरिफाइड बुनियादी ढांचा बना रहे हैं जहाँ उपस्थिति संगठनों द्वारा कन्फर्म की जाती है, न कि खुद से घोषित की जाती है। लीची एक संरचित वर्कफ़्लो के माध्यम से वॉलंटियर्स को जोड़ता है। संगठन वेरिफाइड विवरण के साथ एक सार्वजनिक निर्देशिका में अवसर प्रकाशित करते हैं, वॉलंटियर्स अपनी रुचियों के अनुरूप कार्यक्रमों के लिए रजिस्टर करते हैं, और भागीदारी के बाद सेवा घंटे डिजिटल रूप से कन्फर्म किए जाते हैं। यह एक स्थायी, पारदर्शी रिकॉर्ड बनाता है जिस पर स्कूल और संस्थान भरोसा कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म कई हितधारकों की जरूरतों को पूरा करता है। सरल वॉलंटियर प्रबंधन और संस्थानों के साथ बढ़ी हुई विश्वसनीयता मिलती है। वॉलंटियर्स शैक्षणिक या व्यावसायिक उपयोग के लिए पोर्टेबल सेवा रिकॉर्ड बनाते हैं। स्कूलों को सामुदायिक सेवा आवश्यकताओं के लिए विश्वसनीय वेरिफिकेशन मिलता है। उरफकार्यक्रम अधिक जवाबदेही के साथ नागरिक भागीदारी को माप सकते हैं।

सुमेर ने कहा, डिजिटल बुनियादी ढांचा सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर सकता है जब इसे पारदर्शिता और वेरिफिकेशन को इसके मूल में रखकर डिजाइन किया जाता है। लीची समय को एक मापने योग्य, सम्मानित योगदान के रूप में मानता है और तीन सिद्धांतों पर काम करता है: पैसे से ऊपर समय, स्व-रिपोर्टिंग से ऊपर वेरिफिकेशन, और सभी हितधारकों के लिए पारदर्शिता। यह कार्यक्रम हाई टी और नेटवर्किंग के साथ खत्म होगा, जिससे वॉलंटियर्स, स्कूल, उरफलीडर्स और इंस्टीट्यूशनल पार्टनर्स को सीधे जुड़ने का मौका मिलेगा। इस पहल को नेशनल कमीशन फॉर माइनॉरिटीज के शैल सचदेवा का भी समर्थन मिला है।

'वीबी- जी राम जी' को लेकर झूठ फैला रही कांग्रेस: शिवराज चौहान

कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित चिट्ठी को 'झूठ और फरेब का पुलिंदा' करार दिया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित एक चिट्ठी को 'झूठ और फरेब का पुलिंदा' करार देते हुए विकसित भारतः गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) या 'वीबी- जी राम जी' अधिनियम का बचाव किया है।

शिवराज सिंह ने यहां पत्रकार वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस का 'राष्ट्र प्रथम' और 'देश के विकास' से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस ने 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था, लेकिन हकीकत में मोदी सरकार के दौरान 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। महात्मा गांधी 'सत्य' को सर्वोपरि मानते थे, लेकिन आज की कांग्रेस एआई जनरेटेड

'राष्ट्र प्रथम' और 'देश के विकास' से कोई लेना-देना नहीं: चौहान

वीडियो और फर्जी फोटो के जरिए भ्रम फैला रही है।

उन्होंने राहुल गांधी पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने मनरेगा में मजदूरों को बेरोजगारी भत्ते से वंचित रखा था। शिवराज ने स्पष्ट किया, 'हमने मनरेगा में उस प्रावधान को हटा दिया है। अब मजदूरों को केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर अधिकार मिला है। 15 दिन के अंदर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देना अनिवार्य होगा।'

कांग्रेस ने एक बात सच कही थी कि मनरेगा से 10 करोड़ संपत्तियां बनीं। इनमें से आठ करोड़ से अधिक मोदी जी के नेतृत्व में बनाई गईं। मोदी सरकार में कोविड

के दौरान एक लाख 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि खर्च की गयी। मनरेगा को बेहतर उपयोग करने के प्रयास हुए लेकिन इसमें जो कमियां थीं और बेहतर उपयोग करने के जो प्रयास हुए इसके परिणाम हैं कि हमने लगभग नौ लाख करोड़ रुपये खर्च किए।

शिवराज ने नई योजना के बारे में फैलाए जा रहे 'भ्रम' का पदार्फाश करते हुए स्पष्ट किया कि मनरेगा (पुराना) विकसित भारत जी राम जी (नया), रोजगार की गारंटी पहले से अब 125 दिन, मजदूरी का भुगतान अब 7-14 दिन में अनिवार्य (देरी पर अतिरिक्त भुगतान), प्रशासनिक व्यय को बढ़ाकर 9 प्रतिशत और बजट प्रावधान से बढ़ाकर 95,600 करोड़ (सिर्फ केंद्र सरकार का हिस्सा) रखा गया है।

उन्होंने कहा, 'झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करना बंद होना चाहिए। राज्यों पर कोई बोझ नहीं बढ़ेगा, बल्कि यह निवेश गांव की तस्वीर बदल देगा। जब गांव में नए स्कूल, पुल, अस्पताल और रोजगार के साधन बनेंगे, तो उसे बोझ कहना विकास विरोधी सोच है। रही बात अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं के हितों की, तो हमारी नीति में सबसे पहली प्राथमिकता इन्हीं वर्गों की है। भ्रम फैलाने के बजाय तथ्यों को स्वीकार करें, हमारा लक्ष्य हर गरीब और वंचित का सशक्तीकरण है।'

अब ग्राम पंचायत तय करेगी कि हमारे गांव में कौन-कौन से काम होंगे और जैसा मैंने कहा, जहां मजदूर डिमांड करेंगे वहां काम सुनिश्चित है, उसकी तो गारंटी है, बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान है, उसमें कहां बदलाव है? विपक्ष के इस आरोप पर कि केवल कुछ ही पंचायतों को काम मिलेगा, चौहान ने स्पष्ट किया कि यह कानून पूरे देश की हर ग्राम पंचायत में समान रूप से लागू होगा। उन्होंने कहा कि 'विकसित ग्राम पंचायत प्लान' खुद ग्राम सभा बनाएगी और कम से कम 50 प्रतिशत काम पंचायतें ही करेंगी, न कि ठेकेदार।

राहुल गांधी के 'खेती के समय काम छीनने' के आरोप पर उन्होंने कहा कि देश के 85 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। यदि कृषि कार्यों के समय मजदूर और किसान मिलकर काम करते हैं तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। 125 दिन का काम सुरक्षित समय में सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री ने कांग्रेस को 'झूठ की दुकान' बंद करने की नसीहत देते हुए कहा कि लोकतंत्र में केवल भाषण देकर निकल जाना सही नहीं है।

प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ दुर्व्यवहार निंदनीय: कांग्रेस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

कांग्रेस ने प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए जाते समय कथित तौर पर पुलिस द्वारा रोके जाने और उनके शिष्यों की धक्का मुक्की की घटना को निंदनीय बताया है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में इस घटना की निंदा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस संतों के समर्थन में खड़ी है।

उन्होंने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ जो दुर्व्यवहार किया गया है, उससे सभी दुखी हैं। इस घटना के बाद से शंकराचार्य अनशन पर बैठे हैं, लेकिन सरकार में किसी को फर्क नहीं पड़ रहा है। संतों के अपमान से सभी दुखी हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में हर जगह कुव्यवस्था का माहौल है। माघ मेले में लोगों के साथ संतों के शाही स्नान की व्यवस्था बहुत पुरानी है। यह व्यवस्था मुगलों, अंग्रेजों से भी पुराने समय से चलती आ रही है। आज तक संतों को शाही स्नान से किसी ने नहीं रोका। एक तरफ इस सरकार में संतों को स्नान करने से रोका जाता है, दूसरी तरफ कुंभ जैसे बड़े आयोजन में अमीर लोगों के स्नान के लिए वीआईपी व्यवस्था की जाती है। यह निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि हम धर्म की राजनीति नहीं करते हैं और न ही इसे बर्दाश्त करेंगे। मौनी अमावस्या का शाही स्नान, एक अखंड परंपरा है। इसे रोका नहीं जा सकता। उन्होंने मांग की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस पर माफी माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस संतों के साथ खड़ी है और प्रदेश कांग्रेस जल्दी ही उनके संपर्क में पहुंच कर प्रशासन पर दबाव बनाएगी।

उल्लेखनीय है कि मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पालकी पर स्नान के समय जाते हुए, पुलिस ने भीड़ की वजह से उनसे पालकी छोड़ पैदल जाने का अनुरोध किया था। जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। उसी समय उनके समर्थकों और पुलिस में धक्का मुक्की हो गई, जिससे नाराज शंकराचार्य ने अनशन शुरू कर दिया।

सुशीला कार्की सरकार के दो मंत्री देंगे इस्तीफा, चुनाव लड़ने की तैयारी

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

सुशीला कार्की सरकार के दो मंत्री इस्तीफा देने जा रहे हैं। पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव में उम्मीदवार बनने की तैयारी कर रहे इन मंत्रियों ने चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा देने का फैसला किया है। इस्तीफा देने वालों में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जगदीश खरेल और युवा तथा खेलकूद मंत्री बब्बू गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को भी दे दी है। बबलू गुप्ता ने अपने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि मंगलवार को नामांकन दाखिल करने के लिए वो आज ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की समक्ष अपना इस्तीफा देने जा रहे हैं।

इसके अलावा सूचना मंत्री जगदीश खरेल ने भी अपने इस्तीफे की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए आज वो मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं। मंत्रालय में कुछ आवश्यक कार्य निबटा कर वो अपने पद से इस्तीफा देने प्रधानमंत्री निवास जाने वाले हैं। बताया गया है कि इन दोनों के अलावा एक और मंत्री के भी चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए इस्तीफा देने की संभावना है। चूंकि ये दोनों राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) से उम्मीदवार बनने जा रहे हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। इससे पहले उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष तथा ऊर्जा, शहरी विकास और भौतिक अवसंरचना मंत्री कुलमान घिसिंग ने भी इस्तीफा दिया था। घिसिंग ने भी चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए ही इस्तीफा दिया था।

स्टॉक मार्केट में डिफ्रेल टेक की मजबूत एंट्री

नई दिल्ली। रबर के पार्ट्स और कंपोनेंट्स बनाने वाली डिफ्रेल टेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 74 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 28.38 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंचे। हालांकि थोड़ी ही देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर के भाव में गिरावट आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 91.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। डिफ्रेल टेक का 13.77 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 13 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 105.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 71.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर में 39 लोगों की मौत, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड (स्पेन)

स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में कम से कम 39 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, शवों को निकालने का अभियान अब भी जारी है तथा मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। रेल संचालक 'एडिफ' के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। इसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गयी।

स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर

के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां पटरी से उतर गईं और करीब चार मीटर गहरी ढलान से नीचे जा गिरीं। पुएंते ने कहा कि मृतकों की सबसे अधिक संख्या इन्हीं बोगियों में होने की आशंका है।

अंडालूसिया क्षेत्र के अध्यक्ष जुआनमा मोरेनो ने सोमवार सुबह बताया कि आपातकालीन सेवाएं अब भी उस जगह पर तलाशी अभियान चला रही हैं, जहां क्षतिग्रस्त बोगियां पटरी से उतरी थीं। रविवार देर रात वीडियो और तस्वीरों में फ्लडलाइट्स की रोशनी में ट्रेन की मुड़ी-तुड़ी बोगियां एक ओर गिरी हुई दिखाई दीं।

यात्रियों ने बताया कि वे टूटी हुई खिड़कियों से बाहर निकले, जबकि कुछ लोगों ने आपातकालीन हथौड़ों से शीशे तोड़कर खुद को बाहर निकाला। यह जानकारी स्पेनिश प्रसारक आरटीवीई के पत्रकार सल्वादोर जिमेनेज ने दी, जो पटरी से उतरी ट्रेनों में से एक में सवार थे। उन्होंने रविवार को फोन पर नेटवर्क से कहा, ''एक पल ऐसा आया, जब ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो और ट्रेन सचमुच पटरी से उतर गई हो।'' स्पेनिश पुलिस के अनुसार, इस हादसे में 159 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा 24 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर मैड्रिड से लगभग 370 किलोमीटर दक्षिण में कॉडोर्बा प्रांत के एक कस्बे आदमुज के पास हुई।

संक्षिप्त-समाचार

एमसीएक्स पर उछला सोना, चांदी और तांबा में भी आई तेजी

नई दिल्ली। सराफा बाजार में आज सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आने के बावजूद मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर इन दोनों चमकीली धातुओं ने जोरदार तेजी दिखाई है। एमसीएक्स पर सोने का फरवरी वायदा 2,381 रुपये यानी 1.67 प्रतिशत बढ़कर 1,44,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया है। इसी तरह एमसीएक्स पर चांदी का मार्च वायदा 12,586 रुपये यानी 4.37 प्रतिशत उछल कर 3,00,239 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गया है। सोना और चांदी की तरह ही आज तांबा के भाव में भी जोरदार तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। तांबे का जनवरी वायदा 14.50 रुपये यानी 1.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,304.05 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेचुरल गैस के भाव में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है। नेचुरल गैस का जनवरी वायदा 30.10 रुपये यानी 11.80 प्रतिशत उछल कर 313.50 रुपये के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हालांकि एमसीएक्स पर कच्चे तेल के भाव में आज गिरावट दर्ज की गई है। कच्चे तेल का फरवरी वायदा 24 रुपये यानी 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,423 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड के मसले को लेकर यूरोपीय देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन गई है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में ठहराव आने की आशंका बन गई है। ठहराव की इसी आशंका के कारण निवेशकों ने सोना और चांदी के साथ ही तांबा में भी निवेश बढ़ा दिया है, जिसके कारण इन धातुओं की कीमत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी आ गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस तेजी का असर घरेलू बाजार में भी नजर आ रहा है। इसी वजह से एमसीएक्स पर आज इन धातुओं में मजबूती का रुख बना हुआ है।

बहराइच में 10 अवैध मजारों पर चला बुलोडजर

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के महाराजा सुहेलदेव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में बनी 10 अवैध मजारों को सोमवार को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद ने बताया कि महाविद्यालय परिसर के भीतर दो मजारों की आड़ में अवैध रूप से अतिक्रमण कर अन्य 10 मजारों समेत 12 मजारें बनाकर बड़े भूखण्ड पर अवैध कब्धा कर लिया था। इनमें से 10 मजारों को तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने 2002 में अवैध घोषित किया था। इस आदेश के खिलाफ पक्षकारों ने जिलाधिकारी के यहां याचिका योजित की, जो वर्ष 2004 में जिलाधिकारी ने खारिज कर दी। पक्षकारों ने पुनः मंडलायुक्त के यहां वाद दायर किया, किन्तु 15 वर्ष बाद 2009 में वहां से भी कोई राहत नहीं मिली और मंडलायुक्त ने तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को यथावत रखा। इसी बीच वर्ष 2023 में चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण होने के बाद ये मजारें परिसर के भीतर आ गयी। पक्षकारों ने पहले अतिक्रमण को स्वयं हटाने की बात कही थी, लेकिन समयावधि समाप्त होने के बाद भी कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई। इस पर नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद ने 10 जनवरी को सम्बन्धित पक्ष को अवैध मजारों को 17 जनवरी तक हटाने का नोटिस दिया था। निर्धारित समयावधि तक मजारें न हटाये जाने पर आज जिलाधिकारी के आदेश पर पुलिस बल की मौजूदगी में 10 मजारों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। नगर मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि दो मजारें ही वक्फ में वैध रूप से दर्ज हैं जिन्हें छोड़कर अन्य सभी मजारों को ध्वस्त कर दिया गया है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक का शव बरामद

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में जगन्नाथ विश्वविद्यालय (जबी) के एक पूर्व छात्र का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान आकाश चंद्र सरकार के रूप में हुई है। रविवार (18 जनवरी) रात करीब 10 बजे पुरातन ढाका के गेंडारिया थाना क्षेत्र अंतर्गत भट्टिखाना इलाके में स्थित मेस के कमरे से पंखे से लटका हुआ शव बरामद किया गया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आकाश चंद्र सरकार मूल रूप से फरीदपुर जिले के निवासी थे और जगन्नाथ विश्वविद्यालय के 10वें बैच के छात्र रह चुके थे। सहपाठियों ने बताया कि वह लंबे समय से उक्त मेस में रह रहे थे। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मटिफोर्ड अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गेंडारिया थाना पुलिस द्वारा शव परिजनों को सौंपे जाने की बात कही गई है। फिलहाल मौत के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि, हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से इस तरह की घटनाओं की खबरें सामने आई हैं। कोलाबागान में एक छात्र का झुलता हुआ शव बरामद किया गया, चिटगांव विश्वविद्यालय (चबी) के एक छात्र के मामले में भी इसी तरह की घटना सामने आई, वहीं खुलना में एक पुलिसकर्मी तथा एक प्रवासी युवक के शव भी संदिग्ध परिस्थितियों में पाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि सभी मामलों में जांच जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

श्रीनगर का न्यूनतम तापमान शून्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज

श्रीनगर। कश्मीर में शीत लहर की स्थिति से कुछ राहत मिली है, क्योंकि घाटी में न्यूनतम तापमान कुछ डिग्री बढ़ गया है । रविवार रात श्रीनगर का न्यूनतम तापमान शून्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस नीचे से अधिक है। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के पर्यटक स्थल सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और यह घाटी में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के शोपियां और पुलवामा कस्बों में न्यूनतम तापमान क्रमश शून्य से 4.7 डिग्री और शून्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में पहलगाम पर्यटन स्थल, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक के रूप में भी काम करता है, वहां न्यूनतम तापमान शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में रात का तापमान शून्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। घाटी के प्रवेश द्वार शहर काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

ईरान में सरकारी टीवी चैनल हैक विरोध प्रदर्शन का हुआ प्रसारण

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान (ईरान)

फोटोः हि.स.

इस्लामिक गणराज्य ईरान में पिछले माह आखिरी सप्ताह के अंतिम तीन दिनों से महंगाई के खिलाफ शुरू विरोध प्रदर्शन अब तक नहीं थमा है। प्रदर्शनकारियों ने सीधे-सीधे सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ईरान का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों को अमेरिका भड़का रहा है। इस्लामिक गणराज्य ने देश में इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। वह सरकारी टेलीविजन चैनलों के माध्यम से अपना पक्ष दुनिया के सामने रख रही थी। इस बीच एक अनाम हैकर समूह ने ईरान के सरकारी टीवी चैनल सैटेलाइट पर हैक कर लिए हैं।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बद्र सैटेलाइट पर प्रसारित होने वाले ईरान के कई सरकारी टेलीविजन चैनलों को रविवार को हैक कर लिया गया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन के फुटेज के साथ-साथ ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी की लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने और सैन्य बलों से प्रदर्शनकारियों का साथ देने की अपील प्रसारित की गई। उल्लेखनीय है कि ईरान का सरकारी ब्रॉडकास्टर अपने कई प्रांतीय टेलीविजन चैनलों को देश भर में प्रसारित करने के लिए बद्र सैटेलाइट पर निर्भर है।

रिपोर्ट के अनुसार, खामेनेई के कार्यालय के अधिकारी मेहदी फजेली ने रविवार को एक्स पोस्ट में ईरान में नए नेतृत्व की मांग करने वाली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों को खारिज कर दिया। फजेली ने उन्हें 'एक दोषी आदमी की हताश कोशिश' बताया। शनिवार को अमेरिकी समाचार पोर्टल पॉलिटिको ने ट्रंप के हवाले से कहा था, 'अब ईरान में नए नेतृत्व की तलाश करने का समय आ गया है।'

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की जेलों में बंद प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उन्हें नंगे बदन ठंड में रखा जा रहा है। साथ ही अनजान चीजों के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति के अनुसार, जेल अधिकारियों ने हिरासत केंद्र के आंगन में बंदियों के कपड़े उतरवा दिए और उन्हें सर्दियों में लंबे समय तक इमारत के बाहर रखा। इसके बाद जेल अधिकारियों ने पाइप से बंदियों पर ठंडा पानी डाला।

बीसीसीएल की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री निवेशकों को मुनाफा

नई दिल्ली। कोयले का उत्पादन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडरी भारत कोकिंग कोल लिमिटिड (बीसीसीएल) के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 23 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 96 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 45.21 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 145 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 41.09 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 78.65 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। बीसीसीएल का 1,071.11 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 13 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

मतदाता सूची सुनवाई में चर्चित लोगों को बुलाने पर विवाद निराधार: निर्वाचन आयोग

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चर्चित हस्तियों को सुनवाई के लिए बुलाए जाने को लेकर उठे विवादों को भारतीय निर्वाचन आयोग ने निराधार बताया है।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि दावे और आपत्तियों से जुड़ी सुनवाई के लिए किसी भी मतदाता को बुलाना पूरी तरह प्रक्रिया के तहत है और इसमें किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया गया है। हाल ही में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस को सुनवाई के लिए बुलाए जाने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इसे लेकर सवाल उठाए गए कि नेताजी के परिवार से जुड़े व्यक्ति को नोटिस क्यों भेजा गया।

इस पर पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि चंद्र कुमार बोस को भी अन्य मतदाताओं की तरह ही बुलाया गया है। कार्यालय की ओर से जारी स्पष्टीकरण में कहा गया कि उनके गणना प्रपत्र में पारिवारिक संबंध जोड़ने वाला कॉलम खाली छोड़ा गया था। इसी कारण उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की अधिसूचना के तहत जिन मतदाताओं के प्रपत्रों में आवश्यक विवरण अधूरा पाया गया है, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

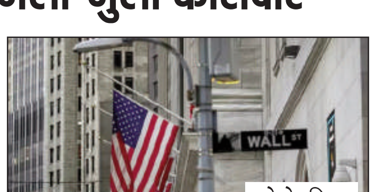

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव की स्थिति बनी रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,940.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.88 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 23,529.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 314.39 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूट कर 49,044.94 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,235.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,258.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत फिसल कर 25,297.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

भारत ने पोलैंड के पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर जताया एतराज

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत ने पोलैंड के साथ आपसी व्यापार तथा सांस्कृतिक एवं लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की इच्छा का इजहार किया लेकिन इसके साथ ही उसे रूस के साथ व्यापार के मुद्दे पर अमेरिका द्वारा टैरिफ के जरिये अनुचित रूप से निशाना बनाये जाने तथा पोलैंड द्वारा पाकिस्तान को दी जाने वाली मदद से आतंकवादी ढांचे को मजबूती मिलने पर अपना एतराज खुल कर जाहिर किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को यहां हैदराबाद हाउस में पोलैंड गणराज्य के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक में खुल कर भारत का पक्ष रखा जिस पर मेहमान नेता ने अपनी सहमति जताते हुए माना कि भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जाना अनुचित है। उन्होंने कहा कि पोलैंड भी आतंकवादी हिंसा का शिकार बना है इसलिए वह आतंकवाद को मजबूती देने की बात का समर्थन नहीं कर सकता।

फोटोः हि.स.

राडोस्लाव सिकोरस्की और ऐनी एप्पलबॉम 17-19 जनवरी तक भारत की यात्रा पर आये हैं। उन्होंने 17 एवं 18 जनवरी को जयपुर साहित्य उत्सव में शिरकत की थी। कल रात नई दिल्ली पहुंचे थे। आज की बैठक के बाद उनका रात में स्वदेश रवाना होने का कार्यक्रम है।

डॉ. एस जयशंकर ने बैठक में अपने आरंभिक वक्तव्य में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा, 'हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया में काफी उथल-पुथल मची हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित दो देशों के तौर पर, जिनकी अपनी-अपनी चुनौतियां और अवसर हैं, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना जाहिर तौर पर उपयोगी है। हमारे द्विपक्षीय संबंध भी लगातार आगे बढ़े हैं, लेकिन फिर भी, उन्हें लगातार ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारत और पोलैंड के पारंपरिक रूप से गर्मजोशी भरे और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। हाल के वर्षों में, यह उच्चस्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान और जीवंत आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों से चिह्नित हुआ है। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा से हमारे संबंधों को रणनीतिक साझीदारी का दर्जा मिला।

आज, हम एक्शन प्लान 2024-28 की समीक्षा करेंगे, जिसके माध्यम से हम अपनी रणनीतिक साझीदारी की पूरी क्षमता को साकार करना चाहते हैं। हम व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और डिजिटल नवाचार में अपने सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे।

विदेश मंत्री ने कहा कि पोलैंड मध्य यूरोप में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार 7 अरब डॉलर है, जिसने पिछले दशक में लगभग 200% की वृद्धि दर्ज की है। पोलैंड में भारतीय निवेश 3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है, जिससे पोलैंड के लोगों के लिए कई रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, उसके बाजार का आकार और निवेश-अनुकूल नीतियाँ, पोलिश व्यवसायों के लिए अपार अवसर प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा, 'हम गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने पर भी विचार करेंगे। 'डोब्री महाराज' एक प्रिय कड़ी बनी हुई है। मुझे पिछले साल फरवरी में पहले जामसाहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पोलिश युवाओं से मिलने की याद है। यह देखकर खुशी होती है कि इंडोलॉजी फल-फूल रही है और पोलैंड में योग लोकप्रिय है।'

एचआईएल ने मुझे एक बेहतर स्ट्राइकर बनाया: लालरेमसियामी

श्राची बंगाल टाइगर्स की लालरेमसियामी वुमेंस हीरो एचआईएल 2025-26 में रहीं रनर-अप

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय दिग्गज अब वुमेंस 2026 एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स की तैयारी में जुटीं

श्राची बंगाल टाइगर्स की फॉरवर्ड लालरेमसियामी ने वुमेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में अपनी टीम के रनर-अप रहने पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे व्यक्तिगत और टीम दोनों स्तर पर सीख से भरा सीजन बताया। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम अगले सीजन में एक कदम और आगे बढ़ते हुए खिताब जरूर जीतेगी।

लालरेमसियामी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हमारे लिए यह सीजन काफी अच्छा रहा। हम जरूर चैंपियन बनना चाहते थे, लेकिन एक टीम के तौर पर हमने बेहतरीन प्रदर्शन किया। कई बार नतीजे आपके नियंत्रण में नहीं होते, लेकिन इस बार हीरो एचआईएल का अनुभव मुझे बहुत पसंद आया। हमने खेल का आनंद लिया और एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखा।'

श्राची बंगाल टाइगर्स ने टूर्नामेंट में कई मुकाबले खेले, जो पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचे, जिसमें एसजी पाइपर्स के खिलाफ खेला गया फाइनल भी शामिल रहा। इन दबाव भरे मुकाबलों पर बात करते हुए लालरेमसियामी ने कहा कि टीम ने नतीजों से ज्यादा अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखा।

उन्होंने कहा, 'एसजी पाइपर्स के खिलाफ पहले भी हमारे मुकाबले बहुत करीबी रहे थे। एक मैच में आखिरी समय में गोल खाने के बाद शूटआउट हुआ और दूसरे में हम हावी रहे लेकिन गोल नहीं कर सके। हमें लगा कि हम मैच जीत सकते थे। फाइनल से पहले हमारा फोकस सिर्फ अपने खेल और स्किल्स पर था, लेकिन दुर्भाग्य से हम तय समय में जीत हासिल नहीं कर सके। फिर भी यह अनुभव हमारे लिए बहुत अहम रहा।'

टूर्नामेंट की धीमी शुरूआत के बाद बंगाल टाइगर्स ने लय पकड़ी। लालरेमसियामी ने टीम के माहौल, संवाद और सीनियर खिलाड़ियों की

फोटोः हि.स.

भूमिका की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'हमें कॉम्बिनेशन बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं मिला था, लेकिन खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने एक-दूसरे को समझने में पूरी मेहनत की। टीम का माहौल और कम्युनिकेशन बहुत अच्छा रहा। सीनियर खिलाड़ियों ने युवा खिलाड़ियों को सही दिशा दिखाई, जिसका असर मैदान पर साफ दिखा।'

व्यक्तिगत तौर पर भी यह सीजन लालरेमसियामी के लिए खास रहा। उन्होंने तीन गोल दागे और टूर्नामेंट की टॉप-5 गोल स्कोरर्स में जगह बनाई।

उन्होंने कहा, 'पिछले सीजन में मैं मिडफील्ड में खेल रही थी, लेकिन इस बार पूरे टूर्नामेंट में स्ट्राइकर की भूमिका में रही। इससे मुझे गोल करने के ज्यादा मौके मिले। मिडफील्ड और डिफेंस के खिलाड़ियों का सपोर्ट शानदार रहा। मैंने इस सीजन को काफी एन्जॉय किया।'

उन्होंने यह भी माना कि हीरो एचआईएल ने सर्कल के अंदर उनके फैसले लेने की क्षमता को बेहतर किया। उन्होंने कहा, 'स्ट्राइकर के तौर पर 1५1 और दबाव की परिस्थितियों में तुरंत फैसला लेना होता है। इस लीग में मुझे ऐसे कई मौके मिले। शुरूआत में कुछ गलत फैसले भी हुए, लेकिन मैच दर मैच मैंने सीखा और अब मेरा डिसीजन मेकिंग काफी बेहतर हुआ है।'

भारतीय खिलाड़ियों के मजबूत कोर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वंदना कटारिया, मोनिका और गुरजीत जैसी सीनियर खिलाड़ियों के साथ फिर से खेलना खास अनुभव रहा।

आगे की चुनौतियों को देखते हुए लालरेमसियामी ने कहा कि मार्च में हैदराबाद में होने वाले वुमेंस 2026 एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स समेत बड़े टूर्नामेंटों में हीरो एचआईएल का अनुभव बेहद काम आएगा।

उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में हमें कई हाई-प्रेशर मैच खेलने हैं, जहां शूटआउट से नतीजे तय होंगे। हीरो एचआईएल ने हमें मानसिक तौर पर मजबूत बनाया है। यह अनुभव निश्चित रूप से वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स और भविष्य के टूर्नामेंट में मेरी मदद करेगा।'

ला लीगा 2025-26: रियल सोसिएदाद ने बार्सिलोना को 2-1 से चौंकाया, जीत का सिलसिला टूटा

एजेंसी (हि.स.)
सान सेबेस्टियन

फोटोः हि.स.

रियल सोसिएदाद ने रविवार को बारिश से भीगे सान सेबेस्टियन में खेले गए रोमांचक मुकाबले में ला लीगा 2025-26 की टेबल टॉपर बार्सिलोना को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। इस हार के साथ ही बार्सिलोना का सभी प्रतियोगिताओं में चला आ रहा 11 मैचों का जीत का सिलसिला भी टूट गया।

मैच के दौरान बार्सिलोना ने जबरदस्त दबाव बनाया, खासकर दूसरे हाफ में, लेकिन टीम की बदकिस्मती यह रही कि उसके खिलाड़ी पांच बार गोलपोस्ट या क्रॉसबार पर गेंद मार बैठे। वहीं सोसिएदाद ने अपने सीमित मौकों का शानदार तरीके से फायदा उठाया। मेजबान टीम के लिए मिकेल ओयारजाबाल ने 32वें मिनट में जोरदार वॉली के जरिए स्कोरिंग की शुरूआत की। इसके बाद 70वें मिनट में बार्सिलोना के सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मार्कस रैशफोर्ड ने करीबी दूरी से हेडर लगाकर बराबरी कर दी। हालांकि, खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी और महज एक मिनट बाद गोंकालो गुएडेस ने बॉक्स के अंदर से शानदार वॉली मारकर सोसिएदाद को फिर से बढ़त दिला दी। मैच के अंतिम क्षणों में रियल सोसिएदाद को बड़ा झटका लगा, जब 88वें मिनट में कार्लोस सोलर को पेड्री पर खतरनाक स्लाइडिंग टैकल के लिए सीधा रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे मेजबान टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। हार के बावजूद हांसी फ्लिक के कोचिंग में खेल रही बार्सिलोना 49 अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर बनी हुई है और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से वह सिर्फ एक अंक आगे है। विल्लारियल और एटलेटिको मैड्रिड दोनों के 41-41 अंक हैं और वे काफी पीछे हैं।

मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों के बीच तेज और आक्रामक खेल देखने को मिला। सातवें मिनट में फर्मिन लोपेज का गोल श्अफ्के बाद रद्द कर दिया गया, क्योंकि बिल्ड-अप में ताकेफुसा कुबो पर फाउल पाया गया। इसके अलावा दोनों टीमों के शुरूआती गोल ऑफसाइड के चलते अमान्य करार दिए गए।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंकी। दानी ओल्मो ने लगातार दो शॉट पोस्ट पर मारे, जबकि 51वें मिनट में रेमिरो ने फेरान टोरेस का पक्का गोल बचाया। 65वें मिनट में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की का हेडर भी गोलकीपर के शानदार बचाव के बाद पोस्ट से टकरा गया।

आखिरी मिनटों में एक खिलाड़ी ज्यादा होने के बावजूद बार्सिलोना गोल नहीं कर सकी। इंजरी टाइम में रैशफोर्ड का कर्लिंग कॉर्नर भी नजदीकी पोस्ट से टकरा गया, जो इस हाफ में बार्सिलोना की पांचवीं बार लकड़ी से टकराने वाली कोशिश थी।

पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की 17 सदस्यीय टी20 टीम घोषित

एजेंसी (हि.स.)
मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान दौरे के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान कर दिया है। चोट से जूझ रहे कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड को इस दौरे से आराम दिया गया है, ताकि वे आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह फिट हो सकें।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेले जाने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण चुना है। बिग बैश लीग (बीबीएल) में शानदार प्रदर्शन के दम पर पर्थ स्कॉर्चर्स के तेज गेंदबाज माहली बीर्डमैन और सिडनी सिक्सर्स के युवा ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ी अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू नहीं कर पाए हैं, लेकिन इससे पहले भारत दौरे के दौरान वे व्हाइट-बॉल स्क्वॉड का हिस्सा रह चुके हैं।

फोटोः हि.स.

ब्रिस्बेन हीट के बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ भी पाकिस्तान के खिलाफ अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के दावेदार हैं। हाल के बिग बैश सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन को इसका इनाम मिला है। रेनशॉ ने पिछले दो बीबीएल सीजन में 604 रन बनाए हैं और उनका औसत 35.53 रहा है।

जैक एडवर्ड्स इस समय सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने मौजूदा बिग बैश में 15 विकेट झटके हैं। वहीं 20 वर्षीय माहली बीर्डमैन ने अपने पहले फुल बीबीएल सीजन में 8 विकेट लेकर पर्थ स्कॉर्चर्स को शीर्ष पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एफकॉन 2025: अतिरिक्त समय में सेनेगल ने मोरक्को को हराया, विवादों से भरे फाइनल में दूसरी बार बना चैंपियन

एजेंसी (हि.स.)
रबात

सेनेगल ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एफकॉन) 2025 के फाइनल में मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। अतिरिक्त समय में पापे गुएये के निर्णायक गोल ने सेनेगल को जीत दिलाई, लेकिन यह मुकाबला एक विवादास्पद पेनल्टी और मैदान के बाहर-भीतर हुई बदसूरत घटनाओं के कारण चर्चा में रहा।

मैच का सबसे नाटकीय पल तब आया, जब इंजरी टाइम के 24वें मिनट में मोरक्को को पेनल्टी मिली। ब्राहिम डियाज के खिलाफ बॉक्स में फाउल को लेकर वीएआर जांच के बाद रेफरी जीन-जैक्स नडाला ने स्पॉट-किक दी। हालांकि, करीब 20 मिनट तक चले हंगामे और विरोध के बाद डियाज जब पेनल्टी लेने पहुंचे तो उनका कमजोर चिप शॉट सेनेगल के गोलकीपर एडुआर्ड मेंडी ने आसानी से बचा लिया। पेनल्टी के फैसले से सेनेगल के

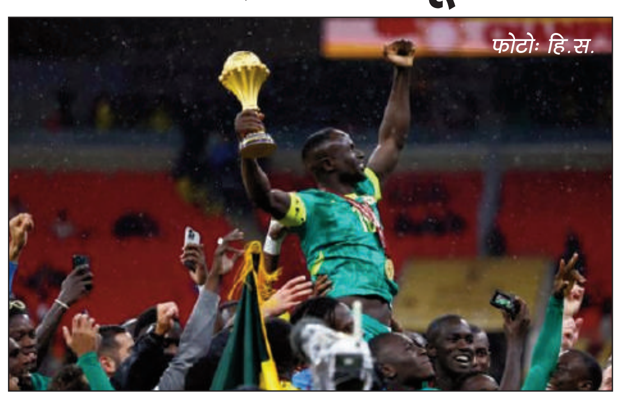
फोटोः हि.स.

खिलाड़ी और फैंस भड़क गए थे। कई खिलाड़ी मैदान छोड़ने लगे, जबकि स्टेडियम के एक हिस्से में मौजूद सेनेगल समर्थकों ने कुर्सियां और अन्य वस्तुएं फेंक दीं और मैदान में घुसने की कोशिश की। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस और स्टूवर्ड्स को दखल देना पड़ा।

इससे पहले भी सेनेगल का एक गोल विवाद में रहा था, जब इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में अब्दुलाये सेक के हेडर के बाद इस्माइला सार्र के रिबाउंड गोल को फाउल बताकर रद्द कर दिया गया।

पेनल्टी बचने के बाद सेनेगल का आत्मविश्वास बढ़ गया और अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में उसने विजयी गोल दाग दिया। सादियो माने ने मिडफील्ड में गेंद जीती और इद्रिस्सा गाना गुएये के जरिए पापे गुएये को पास दिया। विल्लारियल के मिडफील्डर पापे गुएये ने मोरक्को के कप्तान अशरफ हकीमी को पीछे छोड़ते हुए शानदार शॉट से गेंद को टॉप कॉर्नर में डाल दिया। 66,526 दर्शकों से खचाखच भरे प्रिंस मौले अब्देल्लाह स्टेडियम में यह गोल मेजबान फैंस के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। ब्राहिम डियाज को इसके बाद तुरंत बदल दिया गया। हालांकि मोरक्को के पास बराबरी का मौका भी था, लेकिन अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में नायफ अगुएर्द का हेडर क्रॉसबार से टकरा गया।

मोरक्को अपने घरेलू मैदान पर 50 साल बाद दूसरा एफकॉन खिताब जीतने का सपना देख रहा था, लेकिन यह सपना टूट गया। वहीं सेनेगल ने आखिरी मिनटों में 2-0 करने का मौका गंवाया, जब चेरीफ एनडियाए गोल नहीं कर पाए, लेकिन टीम ने बढ़त बनाए रखी। यह सेनेगल का पिछले तीन संस्करणों में दूसरा एफकॉन खिताब है। इससे पहले 2022 में उसने मिस्त्र को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। खास बात यह भी रही कि यह एफकॉन फाइनल में सेनेगल का पहला गोल था।

युवा खिलाड़ियों को कोहली से सीख लेने की जरूरत: सुनील गावस्कर

एजेंसी
नई दिल्ली

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अच्छी शुरूआत नहीं मिलने के कारण भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा और टीम के बल्लेबाजों को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय पारी को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए।

भारत को इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से 41 रन से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पहली बार वन डे श्रृंखला में हार गया। भारत के प्रमुख बल्लेबाजों में केवल कोहली ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने 108 गेंद पर 124 रन बनाए।

गावस्कर ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा, 'विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत

के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस श्रृंखला में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरूआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरूआत का मतलब आधा काम हो गया।' उन्होंने बताया, 'भारत की शुरूआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था।' भारत के आधे बल्लेबाज 159 रन तक पवेलियन लौट गए थे जिससे टीम की जीत की संभावना को गंभीर झटका लगा था।

खाने के शौकीनों के लिए पेश हैं रायपुर के स्वादिष्ट व्यंजन

भारत के हृदय में स्थित छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। इसकी राजधानी रायपुर विभिन्न समुदायों का संगम है, जहाँ हर समुदाय अपनी विशिष्ट पाक परंपराओं से इस क्षेत्र के अनोखे स्वाद-पटल को समृद्ध करता है। सड़क किनारे के ठेलों से लेकर उच्चस्तरीय रेस्तरां तक, रायपुर में स्थानीय व्यंजनों की भरपूर विविधता मिलती है, जो छत्तीसगढ़ के असली स्वाद को प्रस्तुत करती है। इस स्वाद-यात्रा में हम उन खास स्थानीय पकवानों की खोज करेंगे, जो रायपुर और छत्तीसगढ़ को खाने के शौकीनों के लिए स्वर्ग बना देते हैं।

मुठिया

मुठिया, छत्तीसगढ़ का पारंपरिक व्यंजन, राज्य की पारंपरिक शैली में तैयार किए गए पकौड़ों का एक विशेष रूप है। चावल के घोल में विभिन्न मसालों का मेल कर इन्हें बनाया जाता है, लेकिन इसकी खासियत इसके पकाने के तरीके में है - तलने के बजाय भाप में पकाना। यह विधि मुठिया के हर घटक का असली स्वाद बनाए रखती है। छत्तीसगढ़ में व्यापक रूप से पसंद किया जाने वाला यह व्यंजन खास तौर पर नाश्ते में परोसा जाता है और न केवल शहरों में रहने वालों के बीच बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी खास पहचान बना चुका है।

दुबकी कड़ी

दुबकी कड़ी, एक छत्तीसगढ़ी व्यंजन, राज्य के स्थानीय लोगों की लंच प्लेटों पर अपनी जगह पाती है। इस दाल-केंद्रित पकवान में मुख्य रूप से इसकी तैयारी में दही होता है। बेसन के पकौड़े पकवान में शामिल किए जाते हैं, जो दही और मसालों से समृद्ध टैंगी करी के लिए एक रमणीय पूरक बनाते हैं।

आमट

आमट, जिसे छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र का सांभर भी कहा जाता है, एक लाजवाब पारंपरिक व्यंजन है। यह स्वादिष्ट पकवान मिश्रित सब्जियों, अदरक-लहसुन के पेस्ट और तरह-तरह के मसालों के साथ पकाकर तैयार किया जाता है, जिससे इसमें स्वाद का अनोखा संगम बनता है। परंपरा के अनुसार, आमट को बांस की कोपलों में पकाया जाता है, यह विधि आज भी बस्तर के दूरदराज इलाकों में प्रचलित है। बांस न केवल व्यंजन के असली स्वाद को बनाए रखता है, बल्कि इसमें एक विशिष्ट सुगंध भी भर देता है। जहाँ ग्रामीण बस्तर में यह पारंपरिक बांस-पकाने की शैली अब भी जीवित है, वहीं शहरी क्षेत्रों में इस लजीज व्यंजन को बनाने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग किया जाने लगा है।

भजिया

रैनौर और छत्तीसगढ़ के प्रिय स्ट्रीट फूड भजिया ने स्थानीय लोगों का दिल जीत लिया है। दक्षिण भारतीय भज्जी पर यह क्षेत्रीय टेक विभिन्न मनोरम संस्करणों को समेटे हुए है, जैसे मिर्ची भाजी (मिर्च), प्याज भाजी (प्याज), और आलू भाजी (आलू), प्रत्येक पकवान में अपने विशिष्ट स्वाद का योगदान देता है। मुख्य रूप से बेसन के साथ बनाई गई, इन भजिया को मसालों के सही मिश्रण के साथ डाला जाता है, जिससे एक अनूठा सुगंध पैदा होती है। चाय के एक स्टीमिंग कप और मसालेदार हरी चटनी के साथ सबसे अच्छा आनंद लिया गया, भजिया छत्तीसगढ़ स्ट्रीट फूड के सर्वोत्कृष्ट स्वाद का प्रतीक है।

साबूदाना खिचड़ी

साबूदाने की खिचड़ी छत्तीसगढ़ के सबसे स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट व्यंजनों में से एक है, जिसे न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश में पसंद किया जाता है। इस व्यंजन में भिगोए हुए साबूदाने के दानों को विभिन्न सब्जियों और मसालों के साथ पकाकर स्वाद से भरपूर बनाया जाता है, जिससे थाली में लाजवाब स्वाद प्रस्तुत होता है। प्रायः इसे व्रत के दौरान खाया जाता है, लेकिन रायपुर और छत्तीसगढ़ के लोगों के दैनिक आहार में भी इसका विशेष स्थान है।

बफुआरी

बफुआरी प्रिय लेकिन तैलीय पकौड़े, एक पसंदीदा भारतीय स्नैक के लिए एक पौष्टिक विकल्प प्रस्तुत करता है। राज्य का यह प्रसिद्ध व्यंजन चना दाल के आटे का उपयोग करके तैयार किया गया है, जिसमें विभिन्न सब्जियों और मसालों का जलसेक इसके मनोरम स्वाद को बढ़ाता है। आटे को गेंदों में आकार दिया जाता है और उबला हुआ होता है, इसकी तैयारी में तेल के उपयोग से बचकर इसकी असाधारण स्वस्थता में योगदान देता है।

खुरमा

प्रसिद्ध ईद पकवान सेवइया के छत्तीसगढ़ी समकक्ष खुरमा का इस क्षेत्र में अपना उत्सव है। यह प्रसिद्ध मिठाई दूध और सेंवई से तैयार की जाती है। भुनी हुई सेंवई को उबलते पानी में डुबोया जाता है, चीनी सिरप के साथ मिलाया जाता है, और विभिन्न प्रकार के प्रीमियम सूखे मेवों से समृद्ध किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप एक पूरी तरह से रमणीय मीठा व्यंजन होता है जो आपके मीठे दांत को तृप्त करने के लिए निश्चित है।

तिलगुर

तिल के लड्डू में प्रसिद्ध तिलगुर की उत्पत्ति छत्तीसगढ़ राज्य में हुई है। इस स्वादिष्ट व्यंजन में भुने हुए तिल को काले गुड़ और मूंगफली के साथ मिलाना शामिल है। अच्छी तरह से मिश्रित मिश्रण को तब लड्डू में आकार दिया जाता है, जिससे राज्य का प्रतिष्ठित उपचार होता है। तिलगुर विभिन्न राज्य अवसरों और उत्सव के दौरान एक विशेष स्थान रखता है, मकर संक्रमणा मुख्य उत्सव है जहां लोग पारंपरिक रूप से इस रमणीय व्यंजन को तैयार करते हैं और स्वाद लेते हैं।

चीला

एक पाक आनंद जो भारत में क्षेत्रीय सीमा को पार कर गया है, इसकी उत्पत्ति छत्तीसगढ़ क्षेत्र में हुई है। चीला, एक सपाट चपाती की याद दिलाता है, चावल के घोल और उड़द दाल के मिश्रण से तैयार किया जाता है। यह व्यंजन तैयारी में अपनी सादगी के लिए खड़ा है, एक उत्तम स्वाद के साथ मिलकर। छत्तीसगढ़ी लोगों के नाश्ते के प्रदर्शनों की सूची में एक प्रधान, चीला हरी चटनी के जीवंत स्वाद के साथ जोड़े जाने पर अपने पाक चरम पर पहुंच जाता है।

डंपिंग रोकने का आह्वान, डडूमाजरा में सीबीजी संयंत्र से चंडीगढ़ को स्वच्छ ऊर्जा की मिली नई दिशा

दादूमाजरा डंपिंग ग्राउंड में सीबीजी प्लांट हेतु भूमि चिन्हांकन समारोह आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

स्वच्छ और हरित शहर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, चंडीगढ़ नगर निगम ने दादूमाजरा डंपिंग ग्राउंड में संपीडित बायोगैस (सीबीजी) प्लांट की स्थापना के लिए भूमि चिन्हित की। यह प्लांट पृथक किए गए जैविक कचरे से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करेगा और कचरा प्रबंधन में मदद करेगा।

समारोह के दौरान पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ चंडीगढ़ की महापौर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला; राज्यपाल के प्रधान सचिव, पंजाब श्री वी.पी. सिंह; गृह सचिव-सह-सचिव, स्थानीय सरकार श्री मंदीप सिंह बराड़; मुख्य वन संरक्षक श्री सौरभ कुमार; आयुक्त, नगर निगम चंडीगढ़ श्री अमित कुमार; विशेष आयुक्त, एमसीसी श्री प्रदीप कुमार; कार्यकारी निदेशक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) डॉ. अजीत कुमार ठाकुर; सहित चंडीगढ़ प्रशासन, नगर निगम के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अब सही कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा समाधान अत्यंत आवश्यक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि शहरों को पुराने तरीके से कचरा डंप करने की बजाय कचरे को एक उपयोगी संसाधन के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने बताया कि दादूमाजरा डंपिंग ग्राउंड लंबे समय से स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का कारण रहा है और प्रशासन इसे सुधारने के लिए लगातार काम कर रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि दादूमाजरा को डंपिंग ग्राउंड से स्वच्छ ऊर्जा केंद्र में बदलना चंडीगढ़ के लिए गर्व की बात है और यह देश के अन्य शहरों के लिए भी एक उदाहरण बनेगा। उन्होंने इस परियोजना में साझेदारी के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की सराहना की और कहा कि कचरे से वाहनों के लिए बायोगैस बनाना एक दूरदर्शी और टिकाऊ कदम है।

उन्होंने नगर निगम चंडीगढ़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि निगम ने वैज्ञानिक तरीकों से पुराने कचरे को साफ करने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। उन्होंने बताया कि सीबीजी प्लांट के लिए भूमि चिन्हांकन वर्ष 2019 से चल रहे चरणबद्ध सफाई कार्य का परिणाम है।

राज्यपाल ने बताया कि लगभग 28 एकड़ भूमि को कचरे से मुक्त किया गया है, जिससे प्रदूषण, दुर्गंध और स्वास्थ्य जोखिमों में काफी कमी आई है। इससे क्षेत्र में पर्यावरणीय संतुलन बहाल हुआ है और साफ की गई भूमि का उपयोग अब बेहतर और टिकाऊ तरीके से किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि ये सभी प्रयास चंडीगढ़ को देश के सबसे सुव्यवस्थित शहरों में शामिल रखते हैं और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल शहर बनाने के लक्ष्य को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए चंडीगढ़ की महापौर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला ने कहा कि नगर निगम एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ शहर के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सीबीजी प्लांट एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिससे कचरा प्रबंधन की समस्या भी हल होगी और स्वच्छ ऊर्जा भी प्राप्त होगी। इससे विशेष रूप से दादूमाजरा और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

महापौर ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और नगर निगम अधिकारियों के सहयोग और मेहनत की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 125 करोड़ रुपये है और इससे प्रदूषण कम होगा, मीथेन गैस का उत्सर्जन घटेगा तथा जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होगी।

राज्य वन्यजीव बोर्ड ने स्ट्राइप्ड टाइगर बटरफ्लाई को चंडीगढ़ की राज्य तितली घोषित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

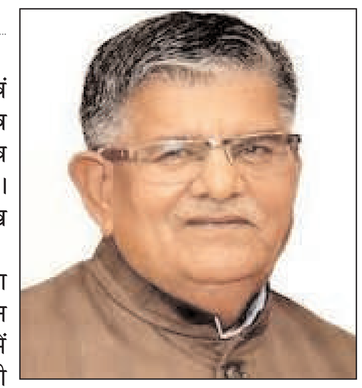

पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान बोर्ड द्वारा छह प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई।

प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया और केंद्र शासित प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा का मार्गदर्शन किया। माननीय अध्यक्ष ने पूर्व निर्णयों पर की गई कार्रवाई की स्थिति तथा सुखना वन्यजीव अभयारण्य के आसपास ईको-सेंसिटिव जोन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सलाह दी कि वन्यजीव एवं आवास संबंधी विषयों की नियमित समीक्षा और निगरानी के लिए राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठकें प्रत्येक छह माह में आयोजित की जानी चाहिए।

स्ट्राइप्ड टाइगर बटरफ्लाई को राज्य तितली घोषित करते हुए बोर्ड ने वन एवं वन्यजीव विभाग को निर्देश दिए कि नए राज्य प्रतीक के बारे में जनजागरूकता फैलाने के लिए विशेष रूप से रेलवे स्टेशनों, पर्यटन स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

बोर्ड के सदस्य डॉ. एस. एस. ग्रेवाल ने सुखोमाजरी परियोजना की सराहना की और सुखना झील के जलग्रहण क्षेत्र के अत्यधिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने मृदा एवं नमी संरक्षण, गाद रोकथाम तथा झील में नियमित जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग के प्रयासों को सराहा।

माननीय अध्यक्ष ने वन एवं वन्यजीव विभाग को वन्यजीवों एवं उनके आवास के सुधार हेतु सक्रिय कदम उठाने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने नियमों, विनियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप जनसामान्य और विद्यार्थियों के लिए एक वन्यजीव अध्ययन केंद्र, जैसे जैविक उद्यान या घेरा (एनक्लोजर), स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

बैठक का समापन चंडीगढ़ में वन्यजीव संरक्षण एवं पारिस्थितिक स्थिरता को सुदृढ़ करने के प्रति यू.टी. प्रशासन की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि के साथ हुआ।

बैठक में चंडीगढ़ की महापौर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला; राज्यपाल के प्रधान सचिव, पंजाब श्री वी.पी. सिंह; गृह सचिव-सह-सचिव, वन एवं वन्यजीव श्री मंदीप सिंह बराड़; मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक श्री सौरभ कुमार; आईजी पुलिस, चंडीगढ़ श्री पुष्पेन्द्र कुमार; मुख्य वन संरक्षक (सीएफ), चंडीगढ़ श्री अनुप कुमार सोनी; उप वन संरक्षक (डीसीएफ), चंडीगढ़ श्री नवनीत कुमार श्रीवास्तव तथा राज्य वन्यजीव बोर्ड के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में जिलावासियों की सुनी समस्याएं

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त ने समाधान शिविर में ब्लॉक पिंजौर के गांव थाने की सैर में ग्रामीणों की सडक बनाने की मांग पर कारवाई करते हुए कार्यकारी अभियंता हरियाणा राज्य कृषि मार्केटिंग बोर्ड को मोके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने व जल्द से जल्द सडक बनाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होने जिलावासियों की 14 समस्याएं सुनी और कुछ का मौके पर समाधान किया व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविर का आयोजन मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार हर कार्यदिवस के दिन सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर से जुडते हैं व लोगों की समस्याओं पर किए गए समाधान की समीक्षा करते है। इसलिए समस्याओं के समाधान में अधिकारी किसी प्रकार की कोताही न बरतें। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके व उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, डीडीपीओ विशाल पराशर, सीएम विंडों के एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्ववाज, जसमेर सिंह बंजारा, विपिन लिडडु, नीरज चैधरी, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

चंडीगढ़ के उपायुक्त ने संपत्ति से संबंधित अभिलेखों के स्कैनिंग एवं डिजिटलीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री निशांत कुमार यादव, उपायुक्त, यूटी चंडीगढ़ ने एस्टेट कार्यालय तथा सब-रजिस्ट्रार कार्यालय का दौरा कर संपत्ति से संबंधित अभिलेखों के स्कैनिंग एवं डिजिटलीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरे का उद्देश्य एक समग्र, सटीक एवं विश्वसनीय डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली के निर्माण हेतु किए जा रहे कार्य की गति एवं गुणवत्ता का आकलन करना था।

इस अवसर पर उपायुक्त के साथ सहायक एस्टेट अधिकारी (अएड) तथा कैपिटल रिकॉर्ड सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जो इस डिजिटलीकरण कार्य को क्रियान्वित करने वाली एजेंसी है। समीक्षा के दौरान एजेंसी द्वारा अवगत कराया गया कि रिकॉर्ड स्कैनिंग का कार्य सितंबर 2025 से प्रारंभ किया गया था। एस्टेट कार्यालय में उपलब्ध संपत्ति फाइलों से संबंधित कुल लगभग 20 लाख दस्तावेजों में से अब तक लगभग 16 लाख दस्तावेजों की स्कैनिंग पूर्ण की जा चुकी है। इसी प्रकार, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में कुल 26 लाख दस्तावेजों में से लगभग 17 लाख दस्तावेजों की स्कैनिंग पूरी कर ली गई है।

बताया गया कि चंडीगढ़ प्रशासन की इस महत्वपूर्ण सुधार पहल के अंतर्गत सार्वजनिक रिकॉर्ड से संबंधित तीन प्रमुख कार्यालयों – सब-रजिस्ट्रार कार्यालय (रजिस्ट्री रिकॉर्ड), एस्टेट कार्यालय (संपत्ति रिकॉर्ड) तथा राजस्व कार्यालयों (राजस्व रिकॉर्ड) – को डिजिटलीकरण हेतु चिन्हित किया गया है।

डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को सटीकता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए कई चरणों में संपादित किया जा रहा है। सर्वप्रथम भौतिक रिकॉर्ड का व्यवस्थित रूप से स्कैनिंग किया जाता है, इसके पश्चात स्कैन किए गए डाटा का प्रूफरीडिंग, फिर कठोर गुणवत्ता जांच (क्वालिटी चेक) की जाती है तथा अंततः प्रत्येक रिकॉर्ड की प्रमाणित इलेक्ट्रॉनिक फाइल (ई-फाइल) तैयार कर सुरक्षित रूप से संग्रहीत की जाती है। यह बहु-स्तरीय प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि डिजिटल रिकॉर्ड पूर्ण, त्रुटिरहित एवं दीर्घकालिक आधिकारिक उपयोग के लिए उपयुक्त हों।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्य की प्रगति पर सतत निगरानी रखें तथा समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

माता सरदारनी सतवंत कौर जी की आत्मिक शांति हेतु कीर्तन एवं अंतिम अरदास आज गुरुद्वारा मोती बाग साहिब, पटियाला में

पटियाला। सिख विद्वान, प्रख्यात अकादमिक व्यक्तित्व तथा स्कॉलर फील्ड्स पब्लिक स्कूल, पटियाला के चेयरमैन प्रोफेसर सुरिंदर सिंह चड्ढा जी की पूज्य माता, माता सरदारनी सतवंत कौर जी का 15 जनवरी 2026 को संक्षिप्त बीमारी के उपरांत देहांत हो गया। माता जी के आकस्मिक निधन से न केवल पारिवारिक वर्ग, बल्कि धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक जगत में भी गहरा शोक व्याप्त है। माता सरदारनी सतवंत कौर जी एक उच्च चरित्र वाली व्यक्तित्व थीं, जिन्होंने सदैव सेवा, सिमरन तथा मानवता के मूल मूल्यों को अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाए रखा। उनकी प्रेरणादायक जीवन यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शक बनी रहेगी। माता जी की आत्मिक शांति हेतु गुरबाणी कीर्तन एवं अंतिम अरदास का आयोजन 20 जनवरी 2026 को दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे तक गुरुद्वारा मोती बाग साहिब, पटियाला में किया जाएगा।

भ्रष्टाचार के दो अलग - अलग मामलों में दो पटवारियों के खिलाफ चालान पेश

पंचकूला। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला ने भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो पटवारियों के विरुद्ध माननीय न्यायालय, अम्बाला में चालान प्रस्तुत किए हैं। पहले मामले में, गांव ठरवा माजरी के हल्का पटवारी चरणजीत सिंह (अतिरिक्त चार्ज शाहपुर) पर विरासत इंतकाल दर्ज करने और तस्दीक करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। आरोप है कि उसके पिता के नाम दर्ज लगभग 26 कनाल भूमि का इंतकाल उसके व परिवार के सदस्यों के नाम दर्ज करने की एवज में आरोपी द्वारा 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। इस शिकायत पर अभियोग संख्या 10 दिनांक 29 अप्रैल 2023 के तहत मामला दर्ज कर जांच की गई। रिकॉर्डिंग और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत चालान पेश किया गया है। आरोपी वर्तमान में जमानत पर है। दूसरे मामले में, मुलाना क्षेत्र के हल्का पटवारी जगदीश पर विरासत इंतकाल दर्ज करने के बदले एक लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अभियोग संख्या 25 दिनांक 5 अक्टूबर 2023 दर्ज किया गया। जांच के दौरान आरोपी को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में भी आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत माननीय न्यायालय, अम्बाला में चालान प्रस्तुत किया गया है। आरोपी इस प्रकरण में भी जमानत पर है। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कहा है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

चंडीगढ़। मेरा युवा भारत चंडीगढ़ द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, एन.एस.एस. यूनिट, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 37-बी, चंडीगढ़ तथा ग्लोबल यूथ फेडरेशन के सहयोग से ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता (2025-2026) का सफल आयोजन किया गया। इस खेलकूद प्रतियोगिता में चार खेल आयोजित किए गए, जिनमें लड़कों के लिए वॉलीबॉल, लड़कियों के लिए रस्साकशी, लड़के व लड़कियों के लिए बैडमिंटन तथा लड़के व लड़कियों के लिए 200 मीटर दौड़ शामिल रही। सभी खेलों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों और टीमों को पदक व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जबकि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को जिला स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के माध्यम से फिटनेस का संदेश देना, खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना था। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने स्वयं को फिट और स्वस्थ रखने की शपथ भी ली। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत चंडीगढ़ की अकाउंट्स एवं प्रोग्राम असिस्टेंट सुश्री प्रीतिका उपस्थित रहीं, जिन्होंने खेलों में भाग लेने वाले सभी युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री रोहित कुमार, निदेशक, ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया तथा गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 37-बी, चंडीगढ़ की शिक्षिका श्रीमती सीमा चौधरी (एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर), श्री गुरप्रीत सिंह (डीपीई, टीजीटी) और श्री रजनीश कंसल (डीपीई) का विशेष सहयोग रहा। इस ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में कुल 110 युवाओं ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

अब 31 को सचिवालय के स्थान पर डडूमाजरा में लगेगा प्रशासक का दरबार

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया, शनिवार, 31 जनवरी 2026 को यूटी सचिवालय के स्थान पर सामुदायिक केंद्र, डडूमाजरा में जनता दरबार (पब्लिक हियरिंग) आयोजित करेंगे। इस जनता दरबार के दौरान प्रशासक महोदय डडूमाजरा एवं धनास क्षेत्र के निवासियों की शिकायतों की सुनवाई करेंगे। इसके अतिरिक्त, यह भी सूचित किया जाता है कि प्रशासक महोदय द्वारा प्रत्येक माह एक शनिवार को चंडीगढ़ के किसी एक सेक्टर अथवा गांव में जनता दरबार आयोजित किया जाएगा, ताकि संबंधित क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। इन जनता दरबारों के दौरान चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

विधायक के नेतृत्व में मोहाली में 'आप' का काफिला बढ़ा

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह द्वारा आज हलके के विभिन्न गांवों और वार्डों से आए परिवारों को आम आदमी पार्टी में शामिल किया गया और उन्हें विश्वास दिलाया गया कि आम आदमी पार्टी में उनका मान-सम्मान हर हाल में बरकरार रखा जाएगा। आज आम आदमी पार्टी के सेक्टर-79 स्थित कार्यालय में श्रीमती शरणजीत, ब्लॉक अध्यक्ष और श्रीमती कुलदीप कौर के नेतृत्व में कांग्रेस और अन्य पार्टियों को छोड़कर लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर विधायक कुलवंत सिंह ने पार्टी में शामिल होने वाले नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि आज पंजाब के लोग पारंपरिक पार्टियों की लारे-लप्पे वाली राजनीति से पूरी तरह ऊब चुके हैं और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार के ईमानदार कार्यों पर मुहर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह लोग दूसरी पार्टियों को छोड़कर आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं, उससे यह साफ पता चलता है कि पंजाब में पहली बार कोई ऐसी सरकार आई है जो आम लोगों के दर्द को समझती है और उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान कर रही है।

अपने संबोधन के दौरान विधायक कुलवंत सिंह ने सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय लोग बिजली के भारी बिलों के कारण परेशान रहते थे, लेकिन आज पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक घरों को बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं, जिससे हर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोले हैं और हजारों युवाओं को बिना किसी सिफारिश या रिश्वत के, केवल योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

विधायक ने विपक्षी पार्टियों पर तीखे निशाने साधते हुए कहा कि जो लोग आज सरकार पर सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने अपने दशकों के शासन के दौरान पंजाब को सिर्फ लूटा और कर्ज के बोझ तले दबाया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने शिक्षा के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी कदम उठाए हैं और सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों से बेहतर बनाया जा रहा है ताकि गरीब का बच्चा भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सके। शामिल होने वाले लोगों को विश्वास दिलाते हुए कुलवंत सिंह ने कहा कि पार्टी में उन्हें बनता मान-सम्मान दिया जाएगा और मोहाली के विकास कार्यों में उनकी राय को पूरी अहमियत दी जाएगी। इस मौके पर नए शामिल हुए साथियों ने भी सरकार की लोक-पक्षीय नीतियों की सराहना की और पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। पार्टी में शामिल होने वालों में अर्जुन सिंह शेरगिल, परमजीत सिंह मावी, दीपविंदर सिंह, सुखबीर सिंह, रवि टिवाना, हरविंदर सिंह, सुखदेव रहल, जीतपाल सिंह, हरमेश, जगजीत कौर, जगतार सिंह, परमजीत कौर, राज अरोड़ा, सरबजीत सिंह, तरनजीत सिंह, अमृतपाल सिंह, रवि, अतिंदर पाल सिंह थे।

इस मौके पर कुलदीप सिंह समाणा, अक्विंदर सिंह गोसल, आर.पी. शर्मा, गुरप्रीत बलियाली उपस्थित थे।

धनास के स्माल फ्लैट्स पर अवैध कब्जाधारियों को हटाने का अभियान चलाया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के धनास स्थित स्मॉल फ्लैट्स क्षेत्र में अनधिकृत कब्जाधारियों को बेदखल करने हेतु अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई उन स्मॉल फ्लैट्स के विरुद्ध की गई, जिन्हें बकाया राशि का भुगतान न किए जाने के कारण रद्द कर दिया गया था।

इस अभियान के दौरान मकान नंबर 1062-अ, 923, 619-उ, 735, 456, 1577, 1298, 1496-अ, 1908-अ तथा 1841-इ सहित कुल 10 मकानों को चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा सफलतापूर्वक खाली करवाया गया।

इसके अतिरिक्त, संबंधित मामलों में बकाया राशि की वसूली भू-राजस्व बकाया के रूप में की जाएगी, नियमानुसार।

सभी आवंटियों/लाइसेंसधारकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी बकाया राशि तत्काल जमा करवाएं, ताकि उनके संबंधित आवासीय इकाइयों/स्मॉल फ्लैट्स की रद्दीकरण एवं बेदखली की कार्रवाई से बचा जा सके।

सम्मान समारोह | **महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय खेल विभाग की ओर से सोनीपत के दुभेटा गांव की 16 वर्षीय अदिति श्योराण का सम्मान**

एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह ने क्रिकेटर अदिति श्योराण को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक/चंडीगढ़

हरियाणा की उभरती युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक की ओर से खेल क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया है। एमडीयू खेल विभाग की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टूनार्मेंट के समापन समारोह में दिया गया। इस मौके पर एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह ने अदिति श्योराण को सम्मानित करते हुए कहा कि हरियाणा की इस बेटी ने अपनी प्रतिभा ही नहीं, जज्बे से बहुत ही कम उम्र में कई उपलब्धियां हासिल कर राज्य की अनेक बेटियों के लिए मिसाल पेश की है। प्रो.राजबीर ने कहा कि एमडीयू ऐसी होनहार खिलाड़ियों की कालेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर पढ़ाई और हास्टल निशुल्क करने को लेकर लगातार काम कर रहा है। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि डॉ.शरणजीत कौर ने इस मौके पर कहा कि जब अदिति जैसी बेटियां खेल ही नहीं किसी भी फिल्ड में बेहतर करती हैं, तो समाज में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से जुड़े किसी भी कार्यक्रम में आकर उन्हें नई ऊर्जा मिलती है। डॉ.शरणजीत ने कहा कि अदिति का खेल के प्रति समर्पण काबिले तारीफ है। खेल विभाग निदेशक डा.शकुंतला बेनीवाल ने कहा कि एमडीयू ऐसी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की ऐसी बेटियों पर सभी को नाज होता है।

अदिति श्योराण मूल रुप से सोनीपत के दुभेटा गांव की निवासी है। अदिति ने स्कूल स्तर की शुरूआती पढ़ाई खानपुर स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल से की है। वह इस समय चंडीगढ़ के सेक्टर-9 स्थित कार्मल कान्वेंट स्कूल में दसवीं की छात्रा है। साथ ही चंडीगढ़ प्रशासन की प्रतिष्ठित सेक्टर-16 स्थित क्रिकेट एकेडमी में ट्रेनिंग ले रही हैं। इस एकेडमी में दाखिला पाने वाली अदिति श्योराण पहली महिला क्रिकेटर भी है। स्टेट, नेशनल और बीसीसीआइ अंडर-15 और अंडर-19 स्तर पर बीते चार वर्षो से खेल रही हैं। नेशनल स्कूल लेवल पर अदिति अंडर-19 चंडीगढ़ गर्ल्स क्रिकेट टीम की सबसे युवा कप्तान भी रही हैं।

यूटीसीए जोनल टूनार्मेंट के अलावा चंडीगढ़ में इंटर स्कूल स्टेट लेवल पर गर्ल्स टीम की कप्तान रही हैं। अदिति की खेल उपलब्धियों के लइए चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से 15 अगस्त 2025 को स्टेट अवार्ड से नवाजा जा चुका है। खेल प्रतिभा को देखते हुए हरियाणा सरकार ने भी 26 जनवरी 2025 को सोनीपत में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में कैबिनेट मंत्री कृष्ण पाल बेदी के हाथों सम्मान मिल चुका है। इंटर स्कूल स्टेट लेवल 2025 चैंपियनशिप में अदिति ने सबसे अधिक रन और विकेट लिए हैं। 2024 में यूटीसीए और चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से आयोजित गली क्रिकेट टूनार्मेंट में 46 गर्ल्स टीमों के बीच हुए मुकाबले में अपनी टीम को चैंपियन बनाने में अहम योगदान रहा। आलराउंडर अदिति को उनके शानदार प्रदर्शन पर सभी मैचों में प्लेयर आफ द मैच चुनी गई थी। यह टूनार्मेंट एशिया बुक आफ रिकार्ड में दर्ज है।

यह खिलाड़ी स्टेट और नेशनल स्तर पर अन्य खेलों में भी चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व करती है। सम्मान समारोह में एआईयू पर्यवेक्षक डॉ.नफीस अहमद, सहायक निदेशक खेल डा.तेजपाल, डा.परम भूषण आर्य क्रिकेट कोच मुकेश गोयल सहित महिला क्रिकेट टूनार्मेंट की विजेता टीम की खिलाड़ी मौजूद थी।।